राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 06, अंक 243 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, मंगलवार 15 अक्टूबर 2024 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

अब उत्तराखंड में आर्मी का सामान ले जा रही ट्रेन पलटाने की साजिश, ट्रैक पर मिला सिलेंडर

रूड़की। इन दिनों देश में रेल पटरियों पर अवरोधक या फिर गैस सिलेंडर रखकर ट्रेनों को पलटाने की साजिश हो रही है। अब उत्तराखंड के रुड़की में रेल ट्रैक पर गैस सिलेंडर मिला। जानकारी के मुताबिक मालगाड़ी को पलटाने की साजिश के तहत रेल ट्रैक पर गैस सिलेंडर रखे गए थे। जिस ट्रैक पर गैस सिलेंडर मिला, उससे सेना के सामान को ले जा रही मालगाड़ी का मूवमेंट होना था। लोको पायलट की सतर्कता के चलते एक बड़ा हादसा टल गया। सूचना मिलने पर रेलवे पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और सिलेंडर को कब्जे में लिया। रेलवे सुरक्षा बल और रेलवे के कर्मचारियों ने ट्रैक पर करीब पांच किमी तक सघन चेकिंग अभियान चलाया। अभी तक कोई पता नहीं चल पाया है कि सिलेंडर ट्रैक पर कहां से आया। सिलेंडर को ढंडेरा रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर के पास रखवा दिया गया है।

कश्मीरी पंडितों की घर वापसी का समय आ गया है फारूक अब्दुल्ला ने किया बड़ा ऐलान

श्रीनगर। हाल ही में जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित किए गए हैं, जिसके बाद राज्य में नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार बनने की उम्मीद है। दशहरा के अवसर पर, नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने श्रीनगर के एसके स्टेडियम में आयोजित दशहरा उत्सव में भाग लिया और बड़ा ऐलान किया। फारूक अब्दुल्ला ने कहा, अब कश्मीर पंडितों की घर वापसी का समय आ गया है। मैं उम्मीद करता हूं कि हमारे भाई और बहन, जो उस समय यहां से चले गए थे, अब वापस आएं और अपने घरों को संभालें। यह समय उनकी घर वापसी का है। उन्होंने आगे कहा, हम ना सिर्फ कश्मीरी पंडितों के बारे में सोचते हैं, बल्कि जम्मू के लोगों के बारे में भी चिंतित हैं। हमें उनके साथ अच्छे व्यवहार करना चाहिए और उन्हें यह महसूस कराना चाहिए कि नेशनल कॉन्फ्रेंस की सरकार उनकी दुश्मन नहीं है। हम भारतीय हैं और यहां सबको साथ लेकर चलना चाहते हैं।

सूरजपुर में भारी बवाल

प्रधान आरक्षक के पत्नी और नाबालिक पुत्री का मिला शव

सूरजपुर/ संवाददाता

अंबिकापुर सूरजपुर के महगवां बाइपास रिंग रोड में दो मंजिला किराए में जब आरक्षक ड्यटी कर घर आया। घटना के वक्त प्रधान आरक्षक तालिब शेख सूरजपुर कोतवाली में ड्यूटी कर रहा था। देर रात करीब एक बजे जब वह घर लौटा तो बाहर का दरवाजा खुला था। दरवाजे के बाहर खून के घसीटने के निशान नजर आने से उसके होश उड़ गए। भीतर जाकर जब वह देखा तो पत्नी और बेटी दोनों नहीं थे। किचन में काफी सामान बिखरा हुआ था। उन्होंने तत्काल कोतवाली थाने में इसकी सूचना दी। देर रात मौके पर एसपी एमआर आहिरे वहां पहुंचे। सुबह करीब नौ बजे पुलिस टीम ने पीढ़ा और जूर मार्ग के दोनों किनारे में पत्नी और बेटी की लाश को बरामद कर लिया है। सड़क के एक और सीपीटी गड्ढे में पत्नी की और दूसरी और के गड्ढे में बेटी की लाश पड़ी थी। दोनों की धारदार हथियार से वारकर हत्या की गई है। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस टीम और अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। घटनास्थल की जांच की जा रही है। एसपी आहिरे भी मौके पर डटे हुए हैं। इस मामले में अब पुलिस हत्या का अपराध दर्ज कर जांच कर रही है। प्रधान आरक्षक से भी जानकारी जुटाई जा रही है। दोनों की हत्या क्यों की गई यह भी बड़ा सवाल है। लेकिन अनुमान लगाया जा रहा है कि हत्यारे जो भी थे उन्होंने पूरे मामले की रेकी की थी। उन्हें पता था कि प्रधान आरक्षक रात देर से लौटेगा। नीचे के किराए के मकान में

परिवार रहता है वह बाहर गया हुआ है और सूनेपन का फायदा उठाकर उन्होंने प्रधान आरक्षक की पत्नी और बेटी पर घर में घुसकर हमला कर उनकी हत्या कर दी। हत्या के बाद दोनों के शव को वहां से घसीटते हुए किसी वाहन के जरिए घटना स्थल से लगभग सात किलोमीटर दूर अलग-अलग गड्ढे में फेंका गया होगा। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ भी कर रही है। घटनास्थल जहां लाश मिली और जिस किराए के मकान में प्रधान रक्षक रहता है वहां फॉरेंसिक की टीम और डॉग स्क्वॉड को जांच के लिए बुलाया गया है। लापता प्रधान आरक्षक की पत्नी और उसकी बेटी की तलाश की जा रही थी। जानकारी के अनुसार सूरजपुर महगवां रिंग रोड में किराए के मकान के ऊपरी मंजिल में प्रधान आरक्षक तालिब शेख 42 वर्ष अपनी पत्नी मेहनाज 36 वर्ष और बेटी आलिया 14 वर्ष के साथ रहता है। उसकी पुत्री सूरजपुर के साधुराम विद्या मंदिर में पढ़ती थी। तालिब शेख की पदस्थापना रमकोला थाने है लेकिन वह कुछ दिनों से सूरजपुर कोतवाली में संलग्न होकर काम कर रहा था। प्रतिदिन की तरह वह रविवार शाम को कोतवाली में ड्यूटी कर रहा थे। घर में पत्नी मेहनाज और पुत्री आलिया थी। रात करीब 10 बजे तालिब शेख ने घर में पत्नी को मोबाइल से फोन किया लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। तालिब शेख ने सोचा शायद कहीं काम में व्यस्त होगी इस कारण से उसने इस बात पर ध्यान नहीं दिया।

पीएम रिपोर्ट से होगा वारदात का खुलासा

प्रधान आरक्षक के परिवार की हत्या को लेकर पीएम रिपोर्ट से स्थिति और स्पष्ट रुप से सामने आएगी। बच्ची और महिला के शव की स्थिति को देखते हुए प्रारंभिक पीएम रिपोर्ट का इंतजार है। वहीं खबर है कि आरोपी कोतवाली पुलिस की लगातार कार्यवाही से नाराज था। आरोपी के भाई संदीप ने एक व्यक्ति को छत से धक्का दे दिया था। जिस वजह से पुलिस ने संदीप को जब गिरफ्तार कर रही थी। तब कुलदीप ने पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर जमकर हुज्जत किया था। जिसके बाद विवाद उस समय भी गहरा गया था जब जिला बदर हो चुके आरोपी के चाचा के खिलाफजिला बदर की अवहेलना के मामले में पुलिस ने कार्यवाही की थी। चर्चा यह भी है कि आरोपी लगातार पुलिस के द्वारा उसके परिवार के खिलाफकार्यवाही से बौखलाहट में दिख रहा था।

उमर अब्दुल्ला से बोले अरविंद केजरीवाल

राज्य चलाने में दिक्कत हो तो मुझसे ले लेना सलाह

नई दिल्ली/ एजेंसी

आम आदमी पार्टी ने नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन से उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली आगामी जम्मू-कश्मीर सरकार में डोडा से अपने एकमात्र विधायक के लिए कैबिनेट मंत्री बनाने की मांग की है। इस महीने की शुरुआत में केंद्र शासित प्रदेश में हुए विधानसभा चुनाव में मेहराज मलिक ने भाजपा के गंजय सिंह राणा को 4,538 से अधिक मतों से हराया। यह अनुरोध आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के बाद आया है, जिन्होंने रविवार

को डोडा का दौरा किया था और मलिक को जम्मू-कश्मीर में आप के पहले विधायक के रूप में चुनने के लिए लोगों का आभार व्यक्त किया था। डोडा में अपने संबोधन के दौरान अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली की तरह जम्मू-कश्मीर को भी आधा राज्य बना दिया गया है, सारी शक्तियां उपराज्यपाल को दे दी गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि मैं उमर अब्दुल्ला से कहना चाहता हूं कि अगर आपको काम करने में कोई दिक्कत आए तो मुझसे पूछना, मैं जानता हूं कि दिल्ली कैसे चलानी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चूंकि, क्क ने उमर अब्दुल्ला सरकार को समर्थन दिया है, इसलिए मुझे उम्मीद है कि हमारे मेहराज मलिक को उमर अब्दुल्ला की सरकार में जिम्मेदारी दी जाएगी, ताकि वह डोडा के साथ-साथ पूरे जम्मू-कश्मीर की सेवा कर सकें।

इस पूर्व सांसद को मिली गैंगरेप की धमकी, लेटर में लिखा-पाकिस्तान जिंदाबाद.....

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती से पूर्व सांसद और भाजपा नेता नवनीत राणा को धमकी भरा लेटर मिला है। इसमें पूर्व सांसद नवनीत राणा को गैंगरेप की धमकी दी गई है। साथ ही लिखा गया है कि, उनके घर के सामने गाय को काटा जाएगा।पत्र भेजने वाले ने खुद का नाम आमिर बताया है। 10 करोड़ रुपए की फिरौती की मांग भी की गई है। साथ ही पाकिस्तान जिंदाबाद भी लिखा। आरोपी ने लेटर में अपना फोन नंबर भी लिखा है। खत में नवनीत राणा को लेकर कई और आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही उनके पति रवि राणा के लिए अभद्र बातें लिखी गईं।

लॉरेंस बिश्नोई गुजरात की जेल में बंद

संजय सिंह बोले...कुछ नहीं कर पा रही भाजपा सरकार

दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली में आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने मुंबई में बाबा सिद्दीकी की हत्या को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करके भाजपा पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि जहां भी भाजपा की सरकार है वहां अराजकता का माहौल है। भाजपा शासित राज्यों में अपराध चरम पर है, हत्या और लूट की घटनाएं हो रही हैं। संजय सिंह ने कहा कि भाजपा शासित राज्यों में अपहरण की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं और भजपा की सरकारें कानून व्यवस्था कायम करने में पूरी तरह से

फेल साबित हो रही हैं। बाबा सिद्दीकी को लेकर संजय सिंह ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री की हत्या कोई आम घटना नहीं है। संजय सिंह ने कहा कि बाबा सिद्दीकी सत्ता पक्ष के नेता थे उनको वाई श्रेणी की सुरक्षा मिली थी फिर उनकी सरेआम हत्या कर दी गई। संजय सिंह ने आगे कहा कि राजधानी दिल्ली में एक जिम के मालिक की हत्या कर दी गई, सिद्धू मूसेवाला की हत्या कर दी गई और पुलिस कुछ नहीं नहीं कर पाई। राजधानी दिल्ली में कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी पीएम मोदी और अमित शाह की है फिर भी अपराध थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने कहा कि सिद्धू मूसेवाला की हत्या में भी लॉरेंस बिश्नोई का नाम सामने आया था, बाबा सिद्दीकी की हत्या में भी लॉरेंस बिश्नोई का नाम सामने आया है।

खुफिया रिपोर्ट के आधार पर

कर्नाटक के राज्यपाल को जेड श्रेणी की सुरक्षा दी...

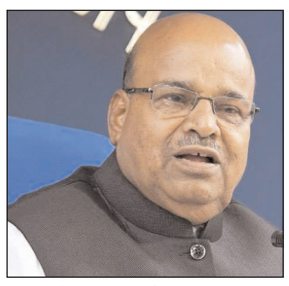

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत को 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। इसमें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवान उनकी सुरक्षा में तैनात रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय (एमएचए) ने इस संबंध में एक लिखित आदेश जारी किया है। सूत्रों ने बताया कि इसकी सूचना पिछले हफ्ते सीआरपीएफ को दी गई थी। जेड श्रेणी की सुरक्षा का फैसला हाल ही में खुफिया ब्यूरो द्वारा तैयार की गई एक सुरक्षा विश्लेषण रिपोर्ट के आधार पर लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, सीआरपीएफके जवानों ने कर्नाटक के राज्यपाल की सुरक्षा की जिम्मा संभाल लिया है और कुछ अन्य संबंधित प्रक्रियाएं इस हफ्ते के अंत तक पूरी की जाएंगी। गललोत को केवल कर्नाटक में जेड श्रेणी का सुरक्षा कवर प्रदान किया जाएगा। थावरचंद गहलोत (76 वर्षीय) ने जुलाई 2021 में कर्नाटक के राज्यपाल के रूप में कार्यभार संभाल था।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में भूकंप, रिक्टर स्केल पर तीव्रता रही 4

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में रविवार को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर 4 रही तीव्रता। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया कि जिले में सुबह 6.14 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। जिसकी तीव्रता 4 थी। भूकंप के निर्देशांक अक्षांश 32.95 डिग्री उत्तर और देशांतर 75.83 डिग्री पूर्व हैं। यह धरती की सतह से 15 किलोमीटर नीचे आया। अभी तक कहीं से जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। आपको बताते चलें, जम्मू-कश्मीर के चिनाब घाटी क्षेत्र में अलग-अलग तीव्रता के भूकंप आते रहे हैं। जिसमें डोडा, किश्तवाड़, रामबन और रियासी जिले शामिल हैं। पिछले पांच से सात सालों में इन भूकंपों की आवृत्ति में वृद्धि हुई है।

अत्यधिक निर्भरता से चिंतित भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई के गवर्नर

वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम भी पैदा करती हैं कृत्रिम मेधा,मशीन लर्निंग जैसी प्रौद्योगिकियां

नयी दिल्ली। एजेंसी

बैंकिंग क्षेत्र में कृत्रिम मेधा और मशीन लर्निंग एआई-एमएल पर अत्यधिक निर्भरता से चिंतित भारतीय रिजर्व बैंक आरबीआई के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने सोमवार को कहा कि ऋणदाताओं को बड़ी प्रौद्योगिकी कंपनियों बिगटेक की खूबियों का लाभ उठाना चाहिए. उन्होंने कहा कि एआई और एमएल जैसी नवीनतम प्रौद्योगिकी प्रगति ने वित्तीय संस्थानों के लिए कारोबार और लाभ विस्तार के नए रास्ते खोले हैं. हालांकि, इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये प्रौद्योगिकियां वित्तीय स्थिरता के लिए जोखिम भी पैदा करती हैं. यहां केंद्रीय बैंक द्वारा आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, एआई पर भारी निर्भरता से संकेन्द्रण जोखिम पैदा हो सकता है, खासकर तब जब बाजार पर कम संख्या में प्रौद्योगिकी प्रदाताओं का दबदबा हो. इससे प्रणालीगत जोखिम बढ़ सकता है, क्योंकि इन प्रणालियों में विफलता या व्यवधान पूरे वित्तीय क्षेत्र में फैल सकता है.ह्व उन्होंने कहा कि एआई के बढ़ते उपयोग से नई कमज.ोरियां सामने आती हैं. इससे साइबर हमलों और डेटा उल्लंघन का जोखिम बढ़ता है. इसके अलावा, एआई की अस्पष्टता के कारण निर्णय लेने वाले

एल्गोरिदम का ऑडिट करना या व्याख्या करना मुश्किल हो जाता है. इससे अप्रत्याशित परिणाम हो सकते हैं. उन्होंने कहा, ह्वबैंकों और अन्य वित्तीय संस्थानों को इन सभी जोखिमों के खिलाफ पर्याप्त जोखिम बचाव उपाय करने चाहिए. अंतिम विश्लेषण में, बैंकों को एआई और बिगटेक का लाभ उठाना चाहिए और बिगटेक को उनका लाभ नहीं उठाने देना चाहिए.ह्व वित्तीय सेवाओं के बढ़ते डिजिटलीकरण ने दुनियाभर में वित्तीय क्षेत्र की दक्षता को बढ़ाया है, लेकिन साथ ही कई चुनौतियां भी सामने आई हैं, जिनसे केंद्रीय बैंकों को निपटना होगा .डिजिटली करण के जोखिम के बारे में बात करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि आधुनिक दुनिया में सोशल मीडिया की गहरी उपस्थिति और ऑनलाइन बैंकिंग तक व्यापक पहुंच के साथ सेकंड में धन हस्तांतरण के कारण अफवाहें और गलत सूचनाएं बहुत तेजी से फैल सकती हैं।

राकांपा के नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड

हत्या का तीसरा आरोपी प्रवीण लोनकर कोर्ट में पेश 21 अक्तूबर तक पुलिस हिरासत में भेजा गया

मुंबई/ एजेंसी

महाराष्ट्र सरकार में पूर्व मंत्री और राकांपा के नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में पुलिस ने सोमवार को मामले में आरोपी प्रवीण लोनकर को कोर्ट में पेश किया। पुलिस ने केस में तीसरे आरोपी प्रवीण को मेडिकल चेकअप के बाद एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश किया। कोर्ट ने उसे 21 अक्तूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। बता दें कि मुंबई पुलिस के मुताबिक प्रवीण के भाई शुभम लोनकर ने फेसबुक पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग की ओर से बाबा सिद्दीकी हत्या की जिम्मेदारी लेने वाला पोस्ट किया था। पुलिस ने बताया कि प्रवीण लोनकर ने अपने भाई शुभम लोनकर के साथ मिलकर हत्या की साजिश रची थी। साथ ही हत्याकांड में नाबालिग आरोपी और शिवकुमार गौतम को साजिश में शामिल किया था। पुलिस ने चौथे आरोपी की पहचान जीशान अख्तर के रूप में की थी। हत्याकांड में अब तक छह आरोपी हो गए हैं। इनमें से पुलिस तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी

है। इससे पहले मुंबई पुलिस ने हरियाणा निवासी गुरमेल बलजीत सिंह (23) और उत्तर प्रदेश निवासी धर्मराज राजेश कश्यप (19) को गिरफ्तार किया था। धर्मराज कश्यप के वकील ने दावा किया कि था कि उनका मुवक्किल नाबालिग है। हालांकि, अदालत ने रविवार को कश्यप का अस्थिकरण परीक्षण कराने का आदेश दिया, जिसमें यह साबित हुआ कि वह नाबालिग नहीं है। उन्होंने बताया कि उसे अदालत में पेश किया गया और 21 अक्तूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। बता दें कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी को मुंबई के वीवीआईपी इलाकों में शुमार बांद्रा में शनिवार रात करीब 9 बजे गोली मारी गई थी। लीलावली अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें रात 11.27 बजे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में विपक्षी राजनीतिक दल सरकारी इंतजाम और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहे हैं। बाबा सिद्दीकी को दी गई सुरक्षा के बावजूद इस तरीके से गोलियों से भूने जाने की घटना से बॉलीवुड सितारे भी सकते हैं। शुरुआती जांच के दौरान ही गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग का नाम सामने आया है। पुलिस मामले के हर पहलू की विस्तृत पड़ताल कर रही है। एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की नृशंस हत्या के सिलसिले में महत्वपूर्ण जानकारियां सामने आ रही हैं।

कुछ दिन घर से नहीं निकलेंगे बाहर

सलमान खान के सारे प्रोजेक्ट से लेगें ब्रेक..

नई दिल्ली। बॉलीवुड में सलमान खान के करीबी माने जाने वाले बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद से ही काफी माहौल गरमाया हुआ है। बाबा सिद्दीकी की सरेआम हत्या ने जहां बदमाशों के हौसलों को बुलंद किया है तो वहीं दूसरी तरफ कई लोगों के लिए यह एक खतरे की घंटी हैं। वाई सुरक्षा में रहने वाले बाबा सिद्दीकी की हत्या सुरक्षा पर काफी सवाल उठाती हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही हैं। वहीं दूसरी तरफ इस वारदात के बाद सलमान खान की सुरक्षा को और भी ज्यादा बढ़ा दिया है क्योंकि लॉरेंस बिश्नोई गिरोह ने

इस हत्या की जिम्मेदारी ली थी। एजेंसियां बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान की सुरक्षा को लेकर सतर्क हो गई है। सुपरस्टार सलमान खान की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नवी मुंबई पुलिस ने अतिरिक्त प्रयास किए हैं।

संक्षिप्त समाचार

2 साल से लंबित कार्य कलेक्टर जनदर्शन में 2 घंटे में पूर्ण

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)/ प्रत्येक सोमवार को आयोजित कलेक्टर जनदर्शन में आवेदिका ललिता चंद्रा की दो साल से लंबित कार्य कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू के संज्ञान में आते ही 2 घंटे में पूर्ण किया गया। कलेक्टर ने तहसीलदार को आवेदिका के रिकॉर्ड का तुरंत ऑनलाइन दुरुस्ती करने के लिए तहसीलदार को निर्देशित किया, जिससे कार्य तुरंत हो गया। जिला प्रशासन के इस कार्य से लोगों के मन में बैठी हुई शासन के प्रति विश्वास को मजबूती मिली है। आवेदिका ग्राम उच्चभिठी पहन-09 रानिम कोसीर में विकासखण्ड एवं तहसील सारंगढ़ की कृषि भूमि को क्रेता ललिता चंद्रा पति धनेश्वर ने खसरा नं.-1568/1 जिसका रकबा 0.162 हैं जो लगभग 40 डिसमिल को खरीदी की थी, जिसको आनलाईन दर्ज कराने हेतु जनवरी में आवेदन उपतहसील कार्यालय कोसीर में आवेदन कर चूंकी थी। इसके बाद आवेदिका ने फिर से उपतहसील कार्यालय, कोसीर में आनलाईन दर्ज कराने हेतु आवेदन दिया था, परन्तु सोमवार तक इस खसरा नं.-1568/1 जिसका रकबा 0.162 हैं को आनलाईन दुरूस्त नही किया जा रहा है। आवेदिका वर्तमान कोरबा में निवासी कर रही हैं। वहां से आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था।

डॉक्टर और मेडिकल स्टाफ से लैस एमएमयू वाहनो से की जा रही है जिले में स्वास्थ्य जांच

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)/कलेक्टर धर्मेश साहू के निर्देश और सीएमएचओ डॉ एफ आर निराला के मार्गदर्शन में आरईसी फाउंडेशन प्रबंधन से मोबाइल मेडिकल यूनिट(डॉक्टर्स फॉर यू) द्वारा जिले के शहर सहित मैदानी और दूरस्थ अंचल के गावों में पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के द्वारा कार्य योजना (रूट मैप) तैयार कर जिले के दूरस्थ अंचल के ग्रामों में भेजा जा रहा है, जहां लोगों के लिए अच्छी स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफ आर निराला ने बताया कि प्रत्येक एमएमयू वाहन में चिकित्सक, स्टॉफ नर्स, फर्माशिष्ट, लैब टेक्नीशियन उपलब्ध हैं। एमएमयू सभी सुविधाओं से लैस रहेगी, जिसमें लैब टेस्ट, दवा और उपचार की व्यवस्था है। विकासखंड के जनसंख्या के आधार पर सारंगढ़ और बिलाईगढ़ के लिए 2-2 और बरमकेला के लिए 1 एमएमयू डॉक्टर आपके द्वार (डॉक्टर्स फॉर यू) सेवा कर रहा है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू ने 7 अगस्त 2024 को इन पांच मोबाइल मेडिकल यूनिट (एमएमयू) वाहन को कलेक्टोरेट सारंगढ़ में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया था।

कुमार चक्रधारी बने भारतीय मजदूर ट्रेड यूनियन महासमुंद के जिलाध्यक्ष

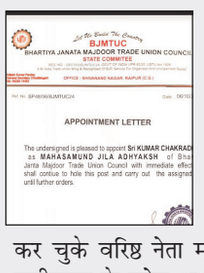

Let Us Build The Country
BJMTUC
BHARTIYA JANATA MAJDOOR TRADE UNION COUNCIL
STATE COMMITEE
OFFICE - SHIVANAND NAGAR, RAIPUR (C.G.)
Ref. No. SP48/06/BJMTUC24 Date 06/10/
APPOINTMENT LETTER
The undersigned is pleased to appoint Sri KUMAR CHAKRAD as MAHASAMUND JILA ADHYAKSH of Bha Janta Majdoor Trade Union Council with immediate effec shall contiue to hole this post and carry out the assigned until further orders.

शंकर लहरे/ महासमुंद(समय दर्शन)। रायपुर दु सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में विभिन्न दाईत्यो का सफलता पूर्वक निर्वहन कर चुके वरिष्ठ नेता मा.कुमार चक्रधारी जी को छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष मा.बर्जेश कुमार शर्मा जी के द्वारा कार्यकारिणी का गठन किया गया मा. चक्रधारी जी को भारतीय मजदूर ट्रेड यूनियन महासमुंद के जिलाध्यक्ष बनाया गया और उन्हें नियुक्ति पत्र जारी किया गया । चक्रधारी जी को जिला अध्यक्ष बनने पर पार्टी के पदाधिकारियों व सदस्यों नरेंद्र ब्रह्मदेव ,पर्वत कुमार, प्रेसण साहू, सेवक, शोभाराम,आदि ने बधाई दिए और उनकी उज्वल भविष्य की कामना किए तथा पुष्प गुच्छ से स्वागत किया ।

अंतर्मन के रावण को जलाना ही सच्ची दशहरा मनाना है - ब्रह्माकुमारी रीटा

दुर्ग (समय दर्शन)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित आनंद सरोवर में दशहरा पर्व अत्यंत ही हर्षोल्लास से मनाया गया । इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्थान के आसपास शहर व ग्रामीण अंचल से अनेक भाई- बहनें इस अवसर पर उपस्थित हुए । ब्रह्माकुमारी दुर्ग जिले की संचालिका रीटा बहन ने दशहरा पर्व का आध्यात्मिक रहस्य बताते हुए कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई की विजय का पर्व है, जिसे श्रीराम और रावण के बीच के युद्ध के रूप में दर्शाया गया है। इसमें श्रीराम, रावण को पराजित करते हैं और उसके नाभि पर बाण मारकर उसे मार देते हैं। नाभि शरीर की चेतना का प्रतीक है, जो 10 मुख्य विकारों का मूल कारण है। ये 10 विकार हैं: काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ईर्ष्या, घृणा, छल, हठ और आलस्य, जो रावण के 10 सिरों द्वारा दर्शाए जाते हैं। रामायण के अनुसार, जब श्रीराम रावण के किसी भी सिर को काटते थे, तो वे फिर से प्रकट हो जाते थे। और रावण तभी मरा जब श्रीराम ने उसकी नाभि पर बाण चलाया। इसी प्रकार, जब हम आत्म-चेतना को धारण करते हैं और परमात्मा को याद करते हैं, तो हमारे शरीर की चेतना यानि देहभान समाप्त होता है और सारे विकार नष्ट हो जाते हैं। श्रीराम परमात्मा का प्रतीक हैं और रावण बुराई का प्रतीक है, जो आज के समय में हर आत्मा के व्यक्तित्व पर शासन कर रही है। जब हम परमात्मा की अच्छाईयों को अपने व्यक्तित्व में धारण करते हैं, तो हम अपने व्यक्तित्व में मौजूद 10 सिर वाले रावण को जला देते हैं। हर साल रावण के पुतले का जलाना इसी प्रक्रिया का प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व है, जो तब होती है जब परमात्मा दुनिया के परिवर्तन का कार्य करते हैं और रावण यानी बुराई को नष्ट करके दुनिया की सभी आत्माओं को पवित्र बनाते हैं तथा दुनिया में राम राज्य या स्वर्ग की स्थापना करते हैं। हर साल रावण को जलाने से पहले उसके पुतले की ऊंचाई को पिछले साल की तुलना में बढ़ाया दिया जाता है। यह दुनिया में बढ़ती हुई विकृतियों वा बुराइयों का प्रतीक है, जो हर साल बढ़ रही हैं और समय के साथ मानवता पर विभिन्न रूपों में अशुद्धि और नकारात्मकता का नियंत्रण हो रहा है। जब निराकार परमपिता परमात्मा शिव विश्व चक्र के अंत में यानी कलियुग या लौह युग के अंत में दुनिया के परिवर्तन का कार्य करते हैं, तब हर आत्मा, जो परमात्मा की संतान और प्रिय है, जिसे रामायण में श्री सीता के रूप में दर्शाया गया है, वह दुःख में होती है और रावण के नकारात्मक प्रभाव के अधीन होती है, और उसके द्वारा बंदी बना ली जाती है। इसी समय परमात्मा सर्व आत्माओं रूपी सीता को रावण के बंधन से मुक्ति के लिए सत्य ज्ञान और राजयोग की शिक्षा देते हैं जिससे वे आत्मायें रूपी सीतायें परमात्मा की याद के द्वारा स्वयं को रावण की अधीनता से मुक्त कर स्वयं सर्व गुण संपन्न सोलह कला संपूर्ण बन जाती है यही वास्तव में सच्ची दशहरा पर्व मनाना है । इस अवसर दशहरा पर्व मनाने आये हुए सभी भाई-बहनों नें स्वयं की बुराइयों को एक पत्र में लिखकर रावण दहन के समय अपनी बुराइयों को पूर्ण रूप से दहन कर एवं परमात्मा के सम्मुख संकल्प किये कि हम सभी इन बुराइयों से स्वयं को मुक्त कर नई दुनिया के स्थापना में परमात्मा के कार्य में मददगार बनेंगे ।

मामाअर्थ ने टियर 3 शहरों और कस्बों तक विस्तार करने के लिए मीशो के साथ की साझेदारी

रायपुर। भारत के सबसे तेजी से विकसित होते हुए पर्सनल केयर ब्रांड्स में से एक, मामाअर्थ ने मीशो के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के अंतर्गत उच्च गुणवत्ता के उत्पाद दूरदराज के इलाकों तक पहुँच सकेंगे जिससे उभरते हुए क्षेत्रों में ब्रांड की वृद्धि में मदद मिलेगी। टियर 3 शहर और कस्बे ई-कॉमर्स की वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। इसलिए मामाअर्थ ने इन छोटे और अर्द्धशहरी इलाकों में प्रीमियम, प्राकृतिक और टॉक्सिन-फ्री पर्सनल केयर प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मीशो के विशाल नेटवर्क का सहयोग लिया है। यह नए बाजारों में पहुँचने और क्षेत्रीय इलाकों में राजस्व वृद्धि करने की मामाअर्थ की रणनीति का हिस्सा है, जिससे ब्यूटी और पर्सनल केयर की श्रेणी में मामाअर्थ को विश्वसनीयता और उच्च प्रतिष्ठा हासिल करने में मदद मिलेगी। मीशो पर सेल की अवधि में यह ब्रांड पाँच गुना वृद्धि कर चुका है। अब मामाअर्थ का उद्देश्य अगले 12 महीनों में मीशो पर 100 करोड़ रुपये के वार्षिक आवर्ती लक्ष्य (एआरआर) तक पहुँचना है। मामाअर्थ ने मीशो की विस्तृत पहुँच के साथ बेलगाँव (कर्नाटक), काशीपुर (उत्तराखंड), बोकारो (झारखंड), शिवाकाशी (तमिल नाडु) और कुशीनगर (उत्तर प्रदेश) सहित भारत के दूरदराज के इलाकों में अपना विस्तार किया है। ब्रांड्स को विशाल ग्राहक वर्ग तक पहुँचाने की मीशो की क्षमता ने मामाअर्थ की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिससे उनके भरोसेमंद स्किनकेयर उत्पाद दूरदराज के इलाकों तक पहुँच सके हैं। होनासा कंज्यूमर लिमिटेड के को-फाउंडर एवं सीईओ, वरुण अलघ ने कहा, ''मामाअर्थ में हम हमेशा अपने ग्राहकों की जरूरत को पूरा करने पर केंद्रित रहते हैं। टियर 3 और छोटे शहरों में गुणवत्तापूर्ण और टॉक्सिन-फ्री ब्यूटी एवं पर्सनल केयर उत्पादों की मांग बढ़ रही है और मीशो के साथ हमारी साझेदारी इस मांग को पूरा करने में मदद करेगी। इससे नए क्षेत्रों में ग्राहकों का विश्वास जीतते हुए मीशो पर 100 करोड़ का एआरआर प्राप्त करने के हमारे लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान मिलेगा।''

विदित आत्रे, को-फाउंडर एवं सीईओ ने कहा, ''हम मीशो द्वारा इंटरनेट कॉमर्स को जनसमूह तक पहुँचाना चाहते हैं, ताकि हर ग्राहक को, चाहे वो कहीं भी रहते हों, गुणवत्तापूर्ण उत्पाद प्राप्त हो सकें। मीशो मॉल का लॉन्च ब्यूटी और पर्सनल केयर जैसी श्रेणियों में ब्रांडेड उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारे प्लेटफॉर्म पर मामाअर्थ की उपलब्धता को हमारे ग्राहकों ने बहुत पसंद किया और ऑर्डर में बहुत ज्यादा वृद्धि हुई। हम अपने ग्राहकों और ब्रांड पार्टनर्स को मीशो मॉल से मिलने वाले अवसरों को लेकर रोमांचित हैं और हम देश में लाखों लोगों के लिए ई-कॉमर्स को ज्यादा सुलभ एवं किफायती बनाते रहेंगे।''

झोलाछाप डॉक्टर के क्लीनिक में दबिश देकर प्रशासन ने किया सील

सरायपाली (समय दर्शन)। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सरायपाली नम्रता चौबे के निर्देशन में गठित समिति के सदस्य नायब तहसीलदार रविंद्र काले, खंड चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर डॉक्टर वी ए के कोसरिया, खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी टी आर धृतलहरे , फार्मासिस्ट अनिल पाढ़ी के द्वारा ग्राम मानपाली (बागद्वारी) के झोलाछाप डॉक्टर ललित यादव के क्लीनिक में विगत दिवस दबिश दिया गया जहां उक्त डॉक्टर के द्वारा प्रैक्टिस के संबंध में मेडिकल काउंसिल आफ इंडिया का रजिस्ट्रेशन व वैध डॉक्यूमेंट प्रस्तुत नहीं करने पर इस क्लिनिक को नर्सिंग होम एक्ट के तहत सील कर दिया गया है तथा इसी कड़ी में मुरमूरी में संचालित सद्भावना क्लीनिक का निरीक्षण भी टीम के द्वारा किया गया जहां पर क्लीनिक का संचालक अनुपस्थित मिलने पर वहां के स्टाफ को क्लीनिक का पंजीयन नंबर व संचालन के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु नोटिस जारी किया गया है। स्वास्थ्य टीम के द्वारा इस तरह की कार्यवाही से झोलाछाप डॉक्टरों में हड़कंप मचा हुआ है सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार एसडीएम मैडम के द्वारा अवैध रूप से संचालित पैथोलॉजी लैब एवं ब्लड कलेक्शन सेंटर , झोलाछाप डॉक्टर तथा बिना फार्मासिस्ट के संचालित मेडिकल स्टोर्स के विरुद्ध स्वयं उपस्थित होकर जांच की कार्यवाही किया जाएगा

मां काली के नाम पर खुली दुकान, मरीज की जान बचाएंगे यमराज

बिलासपुर (समय दर्शन)। जिला अस्पताल, शहरी डिस्पेंसरी से दूर ग्रामीण क्षेत्र में गैर पंजीकृत झूला छाप की दुकानदारी तो स्वास्थ्य विभाग की कार्य प्रणाली पर प्रश्न चिन्ह लगती ही हैं। पर शहर के भीतर पुराने मोहल्ले में इनकी दुकान स्वास्थ्य विभाग की बेशर्मी का परिचायक है।

बंधवापारा, इमली भाटा पीपर चौक में आर के गौराहा फिजिकल केयर सेंटर एक ऐसी ही दुकान है यहां 5 माह के बच्चे से लेकर जो पहुंच जाए सबका इलाज कर दिया जाता है। आयुर्वेद के नाम पर एलोपैथिक दवाई की हर श्रेणी का उपयोग यहां हो जाता है। जिसमें इंजेक्शन, ड्रिप, आईबी तक शामिल है। मरीज को सुविधा इतनी की जैलको लगवा लो रोज आईबी लगवाने आ जाओ। दुकान में ही दवाइयां उपलब्ध है। तीन छोटे-छोटे कमरे, तीनों में मची भीड़ इशारा करती है कि गौराहा जी की सेटिंग स्वास्थ्य विभाग के साथ पुरानी और भरोसेमंद है।

इसी क्षेत्र में चिंगराज पर मुख्य मार्ग अमरिया चौक में मां काली के नाम पर बवासीर, हाइड्रोसील बिना ऑपरेशन के गुप्त रोग, चर्म रोग, सर्दी खांसी का भी इलाज किया जाता है। अनुराग दे जिसकी उम्र अभी 25 भी नहीं है स्वयं को पश्चिम बंगाल से डी फार्मा पढ़ना बताता है। कहता है क्लीनिक खोल तीन माह हुए हैं डी फार्मा की पढ़ाई पूरी नहीं हुई है और मेडिकल स्टोर के स्थान पर सीधा क्लीनिक खोल लेना लगता है। डबल इंजन की सरकार ने नर्सिंग होम

क्लीनिक एक्ट में अभूतपुर्ण वी परिवर्तन कर दिया जब ऐसे भक्तों को मां काली का आशीर्वाद हो तो मरीज को यमराज ही बचाएंगे। दरअसल अनुराग और गौराहा जैसे लोक चिकित्सा व्यवसाय में जीते जागते हत्यारे हैं। कब कहां किसका जीवन खत्म हो जाए कोई नहीं जानता।

दुर्गा वाहिनी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दुर्गा वाहिनी के बहनों द्वारा किया गया शस्त्र पूजन व रक्त तिलक

सरायपाली (समय दर्शन)। विश्व हिंदू परिषद् दुर्गा वाहिनी सरायपाली द्वारा गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्व हिंदू परिषद् दुर्गा वाहिनी के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में माँ दुर्गा के अष्टमी में कार्यक्रम आयोजित किया गया। दुर्गा वाहिनी सरायपाली द्वारा सर्वप्रथम माँ दुर्गा की आरती की गई फिर सभी बहनों द्वारा अपनी उंगली के रक्त से तलवार पर तिलक किया गया । उसके पश्चात माँ से प्रार्थना किया गया कि जिस तरह माता ने महिषासुर का अंत कर समाज से अंधकार को किया था उसी प्रकार पूरे विश्व में महिषासुर रूपी बलात्कारियों, अधर्मियों का अंत करें, एवम साथ ही साथ शपथ लिया गया कि वे हमेशा माता रानी के आदर्शों,नियमों का पालन करेंगे। और इस कार्यक्रम के माध्यम से ही दुर्गा वाहिनी एवम सर्व नारी समाज की ओर से एक अप्रत्यक्ष चेतावनी दी गई की नारी समाज अब भययुक्त जीवन नहीं जिएगा, स्थिति के निर्माण होने पर नारी को दुर्गा का रूप ग्रहण करना अब आ गया है, तत्पश्चात अंत में माता की महाआरती कर, माता के नारों के जयकार के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। विहिप बजरंग दल सरायपाली के कार्यकर्ताओं द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया गया।

दीपक बैज ने अहंकार के प्रतीकात्मक स्वरूप दशानन रावण का किया वध

राजनांदगांव (समय दर्शन)। बुराई पर अच्छाई की जीत, असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक विजयदशमी का पर्व संस्कारधानी में बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इस परंपरा को आगे बढ़ाते हुए स्थानीय कमला कालेज मैदान में राजा दिग्विजय दास दशहरा उत्सव समिति द्वारा आयोजित रावण वध समारोह में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

शहर कांग्रेस कमेटी के महामंत्री अमित चंद्रवंशी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज 12 अक्टूबर, शनिवार को दशहरा उत्सव मनाने राजनांदगांव शहर पहुंचे थे। सर्वप्रथम वे न्यू सर्किट हाउस बसंतपुर पहुंचे, जहां पर शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष कुलबीर सिंह छाबड़ा के नेतृत्व में कांग्रेसजनों द्वारा फुल-मालाओं से आत्मीय स्वागत किया। इस दौरान कांग्रेसजनों से भेंट-मुलाकात कर

कुशलक्षेम पूछा व संगठनात्मक चर्चा की। जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शकील रिजवी एवं उनके पदाधिकारी द्वारा अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया। तत्पश्चात कमला कालेज मैदान में आयोजित दशहरा उत्सव समिति समारोह में शिरकत की, जहां पर जनसमुदाय को अभिवादन करते हुए पीसीसी चीफ दीपक बैज ने संस्कारधानीवासियों को दशहरा पर्व की बधाई देते हुए कहा कि बुराई कितनी भी बड़ी क्यों न हो अच्छाई के सामने छोटी ही होती है, असत्य पर सत्य की जीत, बुराई पर अच्छाई की जीत के प्रतीक का पर्व है विजयदशमी। मेरी यही कामना है कि छत्तीसगढ़ प्रदेश भयमुक्त हो, भ्रष्टाचार मुक्त राज्य बने, बुराईयों का नाश हो, सर्वत्र शांति हो, सभी को समानता का अधिकार मिले। हम आज यह संकल्प लें कि हमारे अंदर बैठी अहंकार रूपी रावण का वध हो और मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम जी मन मंदिर में विराजे। तत्पश्चात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा अहंकार के प्रतीकात्मक स्वरूप दशानन रावण का वध किया।

इस दौरान प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री प्रभारी एवं प्रशासन संगठन मलकीत सिंह गेन्दू, कांग्रेस अल्पसंख्यक आयोग के प्रदेश अध्यक्ष अमिन मेनन ने संस्कारधानीवासियों को विजयादशमी पर्व शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम स्थल पर अखिल भारतीय युवक कांग्रेस के महासचिव कोको पाढ़ी ने उपस्थित जनसमुदाय को दशहरा पर्व की बधाई संदेश दिया। इस दौरान प्रमुख रूप से पूर्व मंत्री धनेश पाटिला, महापौर हेमा देशमुख, रमेश डाकलिया, नरेश डाकलिया, रूबी गरचा, अमित चंद्रवंशी, मनीष साहू, अशोक फड़नवीस, उत्तर ब्लॉक अध्यक्ष आसिफ अली, योगेन्द्र प्रताप सिंह, अभिमन्यु मिश्रा, हफीज वारसी, विशु अजमानी, सुरेन्द्र देवांगन, शैलेष ठावरे, संदीप सोनी, अब्बास खान, राहुल देवांगन, संदीप जायसवाल, अर्जुन कुर्रे, मुस्तफा जोया, योगेश सिंह, जितेन्द्र सिन्हा, जावेद अंसारी, मोहसिन कुरैशी, शानू मैडी, पप्पू खान, मोहर्रम अली अंसारी बीवी, गोलू मामा, सुहैल शेख, अहमद रजा, नासिर खान, रमींदार भाटिया, ताहिर जोया, आंशु खान, तनवीर, नवाज कुरैशी बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित थे।

सार समाचार

घर के बाहर खड़ी एक्टिवा पार

रायपुर(समय दर्शन)। बीएसयूपी काालोनी सोनडोंगरी के ब्लॉक 23 में खड़ी एक्टिवा को अज्ञात चोर ने पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर कबीरनगर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी घनश्याम यादव 34 वर्ष ब्लॉक 23 बीएसयूपी कालोनी सोनडोंगरी का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी ने अपनी एक्टिवा क्रमांक सीजी 04 पीएफ 2592 को खड़ी किया था, तभी अज्ञात चोर ने पार कर दिया। चोरी गए एक्टिवा की कीमत करीब 25 हजार रुपए के आसपास बताई जा रही है।

रंजिश को लेकर युवक को पीटा

रायपुर(समय दर्शन)। ग्राम सुंगेरा स्थित रामलीला चौक के पास पुरानी रंजिश को लेकर तीन युवकों ने एक युवक से गाली-गलौज कर मारपीट किया। प्रार्थी की शिकायत पर धरसींवा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी राजकुमार निषाद 23 वर्ष ग्राम सुंगेरा का रहने वाला है। बताया जाता है कि प्रार्थी कल दशहरा देखने रामलीला चौक के पास गया था, तभी आरोपी गिरधारी निषाद अपने दो साथियों के साथ आया और पुरानी रंजिश को लेकर प्रार्थी से गाली-गलौज कर मारपीट किया।

गांजा के साथ एक युवक गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। लाभांडी स्थित आबकारी कार्यालय के पास तेलीबांधा पुलिस ने गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 2 किलो 55 ग्राम गांजा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार तेलीबांधा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि लाभांडी स्थित आबकारी कार्यालय के पास सुनीता पार्क में दबिश देकर आरोपी दिलीप निषाद 33 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 2 किलो 55 ग्राम गांजा जब्त किया है।

अवैध शराब के साथ युवक गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। धरसींवा पुलिस ने कपसदा मेन रोड पर अवैध शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 12 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार धरसींवा पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कपसदा मेन रोड में दबिश देकर आरोपी दुर्गेश निषाद 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 12 पाव देशी शराब व बिक्री रकम 250 रुपए जब्त किया है।

अग्रसेन जयंती समारोह में शामिल हुए राज्यपाल

समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान से होगा देश का उत्थान : रमेन डेका

रायपुर(समय दर्शन)। समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान करने से देश का उत्थान होगा। हमार देश 5 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था तभी बन सकता है जब समाज के अंतिम व्यक्ति भी विकास की मुख्य धारा में शामिल हो। यह विचार राज्यपाल रमेन डेका ने भगवान अग्रसेन जयंती समारोह में व्यक्त किये। छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन द्वारा आयोजित भगवान अग्रसेन की 5148 वीं जयंती समारोह में राज्यपाल डेका बतौर मुख्यअतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि आज के समय में, जब समाज में आर्थिक असमानता और सामाजिक विभाजन की चुनौतियाँ सामने हैं, भगवान अग्रसेन के आदर्श हमारे लिए एक मार्गदर्शक हो सकते है। उनका जीवन समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समर्पण, समानता और सेवा का संदेश देता है। उनकी नीतियों में 'एक ईंट और एक रुपया' का सिद्धांत स्पष्ट रूप से समाज के कमजोर वर्गों के प्रति उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने यह सिद्ध किया कि समाज का उत्थान तब ही संभव है, जब समाज का हर व्यक्ति समृद्ध हो। राज्यपाल ने कहा कि भगवान अग्रसेन के सिद्धांतों का पालन करते हुए अग्रवाल समाज ने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की भावना को बनाए रखा है। यह समाज हमें यह सिखाता है कि किस प्रकार एकजुट होकर समाज का हर व्यक्ति समृद्ध और सशक्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य में भी अग्रवाल समाज की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। उद्योगों का विकास, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में उनका योगदान और समाज सेवा की भावना प्रशंसा के योग्य है। छत्तीसगढ़ की सामाजिक और आर्थिक संरचना में अग्रवाल समाज ने अपनी अमिट छाप छोड़ी है।

असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है दशहरा - मुख्यमंत्री

लोगों से काम, क्रोध, मद, लोभ रूपी रावण का वध करने का आह्वान

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज रायपुर के डब्ल्यूआरएस कॉलोनी के मैदान में दशहरा पर्व के अवसर पर हजारों की संख्या में जनसमुदाय को सम्बोधित करते हुए कहा कि यह पर्व असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। हम लोग हर साल रावण का वध करते है, परंतु इस पर्व की सार्थकता तभी है, जब हम काम, क्रोध, मद, लोभ रूपी रावण, जो हमारे मन में है, उसका वध करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि माता कौशल्या की नगरी और भांचा श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ में रावण रूपी जो भी बुराई है, उसको हम सब मिलकर दूर करने का संकल्प लेना होगा। मुख्यमंत्री ने इस मौके पर भगवान श्रीराम के जयकारे के बीच रिमोट का बटन दबाकर रावण, कुम्भकर्ण और मेघनाथ के विशालकाय पुतले का दहन किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को विजयादशमी पर्व की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बीते 53 वर्षों से डब्ल्यूआरएस कालोनी में रावण वध का कार्यक्रम आयोजित हो रहा है। इस साल का यह कार्यक्रम हम सब लोगों के लिए विशेष है क्योंकि 500 सालों के बाद छत्तीसगढ़ के भांचा भगवान श्रीराम जो भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हुए है। यह हम सबके लिए गौरव और प्रसन्नता की बात है। रावण वध का कार्यक्रम पारंपरिक ढंग आयोजित हुआ। इस मौके पर भगवान राम और रावण की युद्ध गाथा का मंचन हुआ और अंत में रावण के विशालकाय पुतले का दहन कर बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया गया। कार्यक्रम स्थल पर आतिशबाजी और उत्सव का माहौल रहा। उपस्थित लोगों ने रावण दहन के बाद हर्षोल्लास के साथ एक-दूसरे को विजयादशमी की बधाई दी। कार्यक्रम को रायपुर उत्तर के विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने भी सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने की रावणभाठा दशहरा मैदान के सौंदर्यीकरण के लिए 50 लाख रुपये की घोषणा

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय विजयादशमी पर्व के अवसर पर श्री दूधाधारी मठ रावणभाठा के दशहरा मैदान में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि विजयादशमी का पर्व बुराई को त्याग कर सत्य की राह अपनाने प्रेरित करता है । मुख्यमंत्री ने रावण भाठा दशहरा मैदान के सौंदर्यीकरण और उसे व्यवस्थित करने के लिए 50 लाख रुपये की राशि की घोषणा की। रावण दहन कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान बालाजी की आरती में हिस्सा लिया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आज रावण भाठा के विशाल मैदान में आयोजित रावण दहन कार्यक्रम में उपस्थित आप सभी लोगों के साथ-साथ पूरे प्रदेश की जनता को विजयादशमी पर्व की बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। मैं सार्वजनिक दशहरा उत्सव समिति का इस कार्यक्रम में आमंत्रण के लिये आभार व्यक्त करता हूँ । मुझे यहां आकर बहुत प्रसन्नता हो रही है। मुझे जानकारी दी गयी है कि इस मैदान पर दशहरा पर्व पर रावण दहन कार्यक्रम का यह 170वां वर्ष है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विजयादशमी का त्योहार असत्य पर सत्य की जीत का त्योहार है। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की भूमि है और भगवान राम का ननिहाल है। इस वर्ष विजयादशमी पर्व बहुत खास है क्योंकि इस बार भगवान श्री राम भव्य मंदिर में प्रतिष्ठित हुए हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि विजयादशमी पर्व पर हमें काम, क्रोध, लोभ, मद और मत्सर रूपी मन के रावण का वध करने की जरूरत है।

शक्ति और शौर्य का पर्व विजयदशमी पर मंत्री लखन लाल देवांगन विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल

पूजा अर्चना कर सभी को दी दशहरा की बधाई और शुभकामनाएं

सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 25 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की

रायपुर(समय दर्शन)। कोरबा में असत्य पर सत्य और अधर्म पर धर्म की विजय के महापर्व विजयादशमी दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया गया। लाल मैदान से लेकर आरपी नगर फेस वन, पुरानी बस्ती मुड़ापार समेत सभी प्रमुख स्थानों में आयोजित विजयादशमी के पर्व पर वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुए। इस अवसर पर रावण, मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतला का दहन किया गया। ऊर्जाधानी के लाल मैदान में सबसे ऊंचे 110 फीट ऊंचे रावण का पुतला जलाया गया। इससे पहले मंत्री श्री देवांगन ने भगवान श्री राम सेना की पूजा अर्चना की। उन्होंने दर्री के राजेन्द्र नगर फेस-1 में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 25 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की। मंत्री श्री देवांगन दर्री मुख्य मार्ग स्थित मंगल भवन में आयोजित भव्य दशहरा उत्सव में सम्मिलित हुए, मंत्री श्री देवांगन ने विधिवत पूजन की। समिति के प्रमुख जनों की मांग पर मंत्री श्री देवांगन ने मंगल भवन के विस्तार सहित अन्य विकास कार्यों के लिए स्वीकृति की घोषणा की। दर्री से मंत्री श्री देवांगन राजेंद्र प्रसाद नगर फेस 01 के विशाल दशहरा प्रांगण में हजारों के भीड़ के बीच पहुंचकर जय जय श्री राम का उद्घोष कर कहा कि अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक, विजयादशमी का यह पर्व सभी को अपने अंदर की बुराइयों को समाप्त कर धर्म और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। प्रभु श्री राम आप सभी का कल्याण करें। श्रम मंत्री श्री देवांगन पुरानी बस्ती कोरबा स्थित रानी रोड और मुड़ापार बाजार में आयोजित विशाल दशहरा उत्सव में सम्मिलित हुए। मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि मुड़ापार का दशहरा उत्सव विगत 50 वर्षों से मनाया जा रहा है। मंत्री श्री देवांगन ने मुड़ापार में पंडाल निर्माण की सहर्ष घोषणा की और सभी को दशहरा की बधाई और शुभकामनाएं दी।

मुख्यमंत्री ने भण्डारपुरी धाम में किए गुरुगद्दी के दर्शन

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को भण्डारपुरी धाम में सतनामी समाज के गुरुगद्दी आसन का दर्शन कर पूजा अर्चना की। उन्होंने प्रदेश की खुशहाली और सामाजिक समरसता की कामना की। मुख्यमंत्री साय ने सतनामी समाज के धर्म गुरुओं को सामाजिक एकता और भाई-चारे का प्रेरणा श्रोत बताया। इस दौरान राजा धर्म गुरु बालदास साहेबजी राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, विधायक एवं अनुसूचित विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष गुरु खुशवंत साहेब, जांजगीर सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, विधायक अनुज शर्मा, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाडा सहित सतनामी समाज के अनेक धर्म गुरु, राज महंत, जिला महंत, संत समाज और अनुयायी-जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने यहां गुरु निवास में गुरुप्रसादी ग्रहण किया। उन्होंने तलघर का भी अवलोकन किया और उससे जुड़े इतिहास की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने गुरु परिवार के साथ भेंट की।

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार दिवंगत एनसीपी नेता और पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए मुंबई में उनके बेटे, विधायक जीशान सिद्दीकी के साथ कुपर अस्पताल पहुंचे।

धूमधाम से राजधानी में मनाया गया दशहरा पर्व

रायपुर(समय दर्शन)। सत्य पर असत्य की जीत का सबसे बड़ा त्यौहार दशहरा 12 अक्टूबर को पूरे देश में धूमधाम से मनाया गया। विजयदशमी का त्योहार पूरे देश में बहुत धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इसी क्रम में राजधानी रायपुर के ऐतिहासिक व प्राचीन रावणभाठा मैदान में दशानन, मेघनाथ और कुंभकर्ण के पुतले का दहन किया गया। इसके पूर्व यहां अखाड़े का प्रदर्शन, पतंगबाजी, रामलीला का मंचन किया गया। तत्पश्चात रावण दहन कर यहां जोरदार आतिशबाजी की गई। इसी तरह सप्रेशाला मैदान, डब्ल्यूआरएस कालोनी, टिकरापारा, संजय नगर के अलावा सुंदर नगर, समता कालोनी जैसे इलाकों में भी रावण दहन किया गया। दशहरा के अवसर पर अस्त्र-शस्त्र का पूजन और रावण दहन के बाद बड़ो के पैर छूकर आशीर्वाद लेने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। ज्योतिषाचार्यों ने बताया कि इस साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि 12 अक्तूबर प्रात: 10:58 मिनट से शुरू होकर 13 अक्तूबर 2024, प्रात: 09:08 मिनट पर दशमी तिथि का समापन हुआ। विजयादशमी के अवसर पर जगह-जगह रावण दहन किया गया। कहा जाता है कि रावण के पुतले को जला हर इंसान अपने अंदर के अहंकार, क्रोध का नाश करता है।

समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान ही सरकार का मुख्य ध्येय: मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

तेलासी गुरुद्वारा बाड़ा विकास के लिए 3 करोड़ की स्वीकृति

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 12 अक्टूबर को बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में स्थित बाबा गुरु घासीदास की कर्मभूमि एवं गुरु अमरदास की तपोभूमि तेलासीपुरी धाम में आयोजित गुरु दर्शन मेला कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री ने बाबा गुरु घासीदास एवं गुरु अमरदास के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पूजा-अर्चना कर किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय एवं सर्वोच्च गुरु आसमदास साहेब का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर तेलासी गुरुद्वारा बाड़ा विकास हेतु 3 करोड़ 18 लाख रुपये देने, मुख्य मंदिर से मुख्य सडक तक सीसी रोड एवं गैतरा मेन रोड से बोहारडीह नाला तक सडक निर्माण, गुरु अमरदास जलाशय का सौंदर्यीकरण तथा अनुसचित जाति छात्रावास तेलासी में 50 अतिरिक्त सीट हेतु भवन निर्माण की घोषणा की। मुख्यमंत्री साय ने विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व सत्य की विजय एवं बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। इस दिन रावण के पुतले का दहन किया जाता है। लेकिन हमें काम, क्रोध, मद, लोभ रूपी बुराई पर विजय प्राप्त करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समाज में छुआछूत और असमानता को दूर करने 18 वीं सदी में बाबा गुरु घासीदास अवतरित हुए। उन्होंने दुनिया को मनखे-मनखे एक सामान का सन्देश दिया। हमारी सरकार बाबा गुरु घासीदास के बताए मार्ग पर चलते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज के विकास का मूलमंत्र शिक्षा है। समाज में अनपढ़ व्यक्ति भी जीवन जीता है लेकिन शिक्षित और अनपढ़ के जीवन में काफी अंतर होता है। शिक्षित समाज से ही प्रदेश और राष्ट्र का विकास होगा। हमारी सरकार नई राज्य सरकार के गठन के तत्काल बाद मोदी की गारंटी को लगातार पूरा कर रही है, जिसमें 21 क्विंटल प्रति एकड़ एवं 3100 रुपये में धान खरीदी, किसानों को बकाया बोनस राशि का भुगतान, 18 लाख प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति, तेंदूपत्ता खरीदी दर बढ़ाकर 5500 रुपये प्रति मानक बोरा किया गया। महतारी वंदन योजना, रामलाला दर्शन योजना सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा कि सतनामी समाज में विजयादशमी के दिन गुरु दर्शन की परम्परा है। गुरु के दर्शन से प्रेरणा लेकर सतनामी समाज आगे बढ़ रहा है। समाज शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़े, सामजिकजन समाज हित में काम करने भावी पीढ़ी को जागृत करें। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास का उपदेश समाज को जोड़ने और एकरूपता लाने वाला है। देश में गुरु परम्परा प्रचलित है। गुरुओं के दर्शन से सन्मार्ग मिलता है और सन्मार्ग से ही प्रदेश सुखमय और समृद्ध होगा। कार्यक्रम को सर्वोच्च गुरु आसमदास साहेब जांजगीर-चाम्पा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, मुंगेली विधायक पुन्नुलाल मोहले ने भी सम्बोधित किया। कलेक्टर दीपक सोनी ने स्वागत भाषण में जिला प्रशासन द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं नवाचारों की जानकारी दी। कार्यक्रम में सतनामी समाज के 12 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया एवं 21 युवाओं को रोजगार हेतु नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के 2 हितग्राहियों को गैस कनेक्शन एवं 3 हितग्राहियों को राशन कार्ड, प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 10 हितग्राहियों को स्वीकृति पत्र, 5 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड तथा 10 लखपति दीदियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अहिवारा विधयाक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा,पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सनम जांगड़े, पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत दिव्या अग्रवाल, सतनामी समाज के राजमहंत सहित समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

संपादकीय

रिटेल कारोबार चमकेगा

साल- दो साल पहले तक ई-कॉमर्स फेस्टिवल्स में ऑर्डर्स की कतार लग जाती थी। लेकिन इस बार इलेक्ट्रॉनिक सामानों से लेकर लाइफस्टाइल उत्पादों तक की वैसी मांग नहीं देखी गई। आम बाजारों में तो यह हाल पहले से है। खबर है कि बीते सप्ताहांत ई-कॉमर्स फेस्टिवल कमजोर रहा। अमेजन और कुछ अन्य प्लैटफॉर्म्स पर शुक्रवार से रविवार तक 40 फीसदी तक छूट के साथ उपभोक्ता सामग्रियां बेची गईं। बताया जाता है कि पहले दिन तो ठीक-ठाक ऑर्डर मिले, लेकिन बाद के दो दिन इनमें भारी गिरावट आ गई। जबकि साल- दो साल पहले तक ऐसे फेस्टिवल्स में ऑर्डर्स की कतार लग जाती थी। लेकिन इस बार इलेक्ट्रॉनिक सामानों से लेकर लाइफस्टाइल उत्पादों तक की वैसी मांग नहीं देखी गई। बाजारों में तो यह हाल पहले से है। इस पर कहा जाता था कि लोगों का तौर-तरीका बदल गया है। अब ऑनलाइन खरीदारी का जमाना है। मगर ऐसा लगता है कि आमदनी वृद्धि गतिरुद्ध होने और इसके परिणामस्वरूप बाजार में मांग कमजोर होने से बने हालात की चपेट में ऑनलाइन ई-कॉमर्स भी आने लगा है। हकीकत यह है कि सरकार की आर्थिक प्राथमिकताओं के कारण भारत में उपभोक्ता बाजार का फैलना काफी पहले रुक चुका है। आबादी के एक छोटे हिस्से की आमदनी जरूर तेजी से बढ़ी है, लेकिन बहुसंख्यक जनता का जीवन स्तर रोजगार के अवसरों की कमी और महंगाई की मार की वजह से गिरता चला गया है। इसका असर बाजार पर साफ दिखता है। इसका असर उद्योग जगत पर भी दिखता है, जहां तमाम सरकारी प्रोत्साहनों के बावजूद निजी निवेश में बढ़ोतरी नहीं हो पा रही है। जिस छोटे तबके की आमदनी बढ़ी है, वही ई-कॉमर्स में चमक का आधार है। मगर वह तबका भी कितनी जल्दी-जल्दी अपने इलेक्ट्रॉनिक सामान या अन्य टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं को बदलेगा? तो इस बार बाजार के असल ट्रेंड का असर ई-कॉमर्स फेस्टिवल पर भी पड़ा है। चूंकि आज चलन खबरों को आशाजनक मोड़ देकर खत्म करने का है, तो संबंधित खबरों में संभावना जताई गई है कि अक्टूबर में जब दशहरा करीब आएगा और उसके बाद दिवाली का माहौल बनेगा, तो उपभोक्ता खुले हाथ से खर्च करेंगे। इस वर्ष उपभोक्ता खर्च में 20 फीसदी बढ़ोतरी का अनुमान है। इससे रिटेल कारोबार चमकेगा। इस पर यही कहा जा सकता है कि स्थितियां जब प्रतिकूल हों, तब ऐसी

OBC वोटों पर निशाना

महाराष्ट्र सरकार ने OBC आरक्षण की नॉन-क्रीमी लेयर सीमा को लगभग दोगुना बढ़ाने का संकेत दिया है। यह कदम हरियाणा में BJP की जीत की रणनीति के तहत है और OBC वोटरों को लक्षित करते हुए आगामी चुनावों के मद्देनजर उठाया गया है। बीजेपी और उसके सहयोगी दलों को इससे चुनाव में फायदा होने की उम्मीद लग रही है।

महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने गुरुवार को जिस तरह से OBC आरक्षण के लिए निर्धारित नॉन क्रीमी लेयर सीमा को लगभग दोगुना करवाने का संकेत दिया, उससे दो बातें बिल्कुल साफ हो गई हैं। एक तो यह कि सत्तारूढ़ NDA खेमा हरियाणा में मिली अप्रत्याशित जीत से बने उत्साहपूर्ण माहौल में एक पल भी गंवाए बगैर अपना पूरा ध्यान महाराष्ट्र चुनाव पर लगा चुका है। दूसरी बात यह कि हरियाणा के अनुभव की रोशनी में उसने यहां सबसे बड़ा दांव हक्रष्ट समुदाय के वोटरों पर लगाने का फैसला किया है।

हरियाणा की सीख : महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से ऐन पहले की गई इस घोषणा का हरियाणा में BJP को मिली जीत से ही नहीं, वहां अपनाई गई रणनीति से भी सीधा संबंध है। चुनाव से पहले के हालात हरियाणा में भी BJP के अनुकूल नहीं थे। वहां मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसी साल जून महीने में OBC समुदायों से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान नॉन-क्रीमी लेयर की सीमा बढ़ाने का वादा किया। कई एक्सपर्ट मानते हैं कि इस वादे ने अंदर ही अंदर इस समुदाय के वोटरों पर निर्णायक प्रभाव डाला।

भूल सुधार का प्रयास : महाराष्ट्र की राजनीति के संदर्भ में देखें तो यह फैसला और ज्यादा अहमियत रखता है। यहां मराठा आरक्षण की मांग पिछले कुछ समय से खासी चर्चित रही है। लोकसभा चुनावों से पहले राज्य सरकार ने मराठा समुदाय को OBC कोटे के अंदर से ही रिजर्वेशन देने की घोषणा की थी। माना जाता है कि महायुति को इसका खामियाजा OBC वोटरों की नाराजगी के रूप में भुगतना पड़ा। इस लिहाज से महायुति सरकार के ताजा फैसले को लोकसभा चुनावों की गलती को दुरुस्त करने के प्रयास के रूप में भी देखा जा रहा है।

माहौल बनाने में मदद : यह मांग कुछ कोनों से उठाई भी जा रही थी। आठ लाख की मौजूदा सीमा के कारण OBC परिवारों का एक बड़ा हिस्सा जो इस सीमा से थोड़ा ही ऊपर था, वंचित महसूस कर रहा था। आर्थिक तौर पर सशक्त न होने के बावजूद वह आरक्षण का फायदा नहीं उठा पा रहा था। अगर यह सीमा 15 लाख रुपये सालाना कर दी जाती है, और जैसा कि राज्य सरकार के स्तर पर संकेत दिया जा रहा है, संभवतः जल्दी ही कर भी दी जाएगी, तो ऐसे तमाम परिवार इससे प्रभावित होंगे। NDA को उम्मीद है कि इससे न सिर्फ उसे वोटों का फायदा होगा बल्कि अपने अनुकूल माहौल बनाने में भी सहायता मिलेगी।

महज चुनावी : बहरहाल, चुनावी नफा-नुकसान से थोड़ा अलग हटकर देखें तो तय है कि इस तरह के दाव-पेच न तो अच्छे नीतिगत फैसलों को जन्म देते हैं और न ही आम लोगों के दीर्घकालिक हितों को पूरा कर सकते हैं। फिर भी अगर ये चुनाव-दर-चुनाव चलते चले आ रहे हैं तो इससे राजनीति की क्वॉलिटी ही नहीं वोटरों की प्रायॉरिटी भी रेखांकित होती है।

तमाम दुष्प्रचार के बावजूद दलितों की पसंदीदा पार्टी कैसे बन गयी भाजपा?

नीरज कुमार दुबे

कांग्रेस की ओर से भाजपा पर अक्सर आरक्षण को खत्म करने की साजिश रचने का आरोप लगाया जाता है। इसी आरोप की वजह से लोकसभा चुनावों में भाजपा को बड़ा नुकसान भी हुआ और वह अपने बलबूते स्पष्ट बहुमत हासिल करने से चूक गयी। लेकिन उसके बाद मोदी सरकार ने सबक लिया और एक भी ऐसा अवसर नहीं आने दिया जब दलितों के मन में अपने आरक्षण को लेकर कोई शंका हो पैदा हो। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों की वजह से एससी और एसटी वर्ग के मन में आशंकाएं पनपीं तो मोदी सरकार ने साफ कर दिया कि एससी और एसटी वर्ग के आरक्षण पर कोई आंच नहीं आने दी जायेगी। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से उपजे विवाद के बीच केंद्रीय मंत्रिमंडल ने स्पष्ट कर दिया कि डॉ. भीम राव आंबेडकर के बनाये संविधान में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण में 'मलाईदार तबके' के लिए कोई प्रावधान नहीं है। देखा जाये तो मोदी सरकार का यह स्पष्टीकरण आरक्षण के मुद्दे को लेकर समाज में भ्रम फैलाने वालों पर करारी चोट कर गया।

इसके अलावा, इसी साल अगस्त में एक और अवसर आया जब दलितों के मन में आशंकाएं पनपाने का काम किया गया। दरअसल केंद्रीय सेवाओं में लेटरल एंट्री के मुद्दे को उठाते हुए विपक्ष ने कहा कि यह दलितों और पिछड़ों को आरक्षण से वंचित करने की साजिश है। विपक्ष के इस हमले पर तत्काल प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री ने लेटरल भर्ती विज्ञापन को रद्द करने के निर्देश दिये। केंद्र सरकार ने स्पष्ट कहा कि सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए, इस कदम की समीक्षा और इसमें सुधार किया जायेगा। सरकार ने साथ ही देश को यह भी बताया

कि लेटरल एंट्री के जरिये नियुक्तियों की शुरुआत कांग्रेस ने ही की थी। यह विषय भी दलितों और पिछड़ों को आश्वस्त कर गया कि मोदी के रहते आरक्षण को कोई खतरा नहीं है।

इसके अलावा, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरक्षण के मुद्दे पर ऐसा बयान दे दिया जिससे कि भाजपा को कांग्रेस पर हमला करने का बड़ा मौका मिल गया। दरअसल विदेश दौरे के दौरान राहुल गांधी ने एक सवाल के जवाब में आरक्षण खत्म करने की बात कह दी। उनका यह बयान देखते ही देखते वायरल हो गया। कांग्रेस और राहुल गांधी तमाम सफाई और स्पष्टीकरण देते रहे लेकिन यह मुद्दा तूल पकड़ चुका था। राहुल गांधी के इस बयान को इस तरह से पेश किया गया जैसे कांग्रेस तत्काल आरक्षण खत्म करना चाहती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसके बाद अपनी हर सभाओं में कहना शुरू कर दिया कि कांग्रेस कान खोलकर सुन ले... जब तक मोदी है, तब तक बाबा साहेब अंबेडकर के दिए आरक्षण में से रत्ती भर भी लूट करने नहीं दूंगा। भाजपा ने आरक्षण पर राहुल गांधी के बयान से उपजे विवाद को खूब तूल दिया जिससे कांग्रेस को जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनावों में नुकसान उठाना पड़ा है।

अगर आप जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव के परिणामों का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि भाजपा ने जम्मू में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित सभी सात सीटों पर कब्जा कर लिया है जबकि हरियाणा में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित 17 में से आठ सीटों पर कब्जा किया है। यह दर्शाता है कि दलित समुदाय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के साथ फिर खड़ा हो गया है। हम आपको याद दिला दें कि 2019 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने हरियाणा में अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित पांच सीटें जीती थीं, जबकि कांग्रेस ने छह सीटें जीती थीं। जम्मू और कश्मीर में 2014 के विधानसभा चुनावों में (2022 में परिसीमन से पहले जिसके परिणामस्वरूप सीटें 83 से बढ़कर 90 हो गईं) भाजपा ने जम्मू में एससी के लिए आरक्षित पांच सीटें जीतीं थीं और कांग्रेस को एक सीट मिली थी। चुनाव परिणाम वाले दिन जब शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा मुख्यालय पर विजयी संबोधन दिया था तब उन्होंने अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्रों में भाजपा के दमदार प्रदर्शन पर भी प्रकाश डाला था।

देखा जाये तो हरियाणा में कांग्रेस को दलितों की भारी नाराजगी का सामना करना पड़ा है क्योंकि उसने पूर्व केंद्रीय मंत्री और हरियाणा में पार्टी के सबसे बड़े दलित चेहरे कुमारी शैलजा की बजाय भूपिंदर सिंह हुड्डा को सीएम पद के उम्मीदवार के रूप में पेश किया। हम आपको याद दिला दें कि हुड्डा के पिछले दो कार्यकालों की पहचान जाटों के दबदबे के रूप में की जाती है। हुड्डा के कार्यकाल में दलितों के खिलाफ अत्याचार की घटनाओं, विशेषकर मिर्चपुर में दो दलितों की हत्या की घटना लोगों के मन में ताजा थीं। भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान इन घटनाओं का जिक्र तो किया ही साथ ही कांग्रेस पर दलित पृष्ठभूमि के कारण शैलजा को हाशिए पर रखने का आरोप भी लगाया। भाजपा ने राज्य में दलितों के उप-वर्गीकरण की मांग का भी समर्थन किया।

बहरहाल, देखा जाये तो 2014 से मोदी सरकार की ओर से समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित करने के कारण अनुसूचित जाति के वर्गों में भाजपा के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बना है। कांग्रेस ने 'आरक्षण और संविधान पर खतरे' की जो कहानी बुनी थी वह भले ही लोकसभा चुनाव में काम कर गई हो, लेकिन इसकी गूंज अब खत्म होती जा रही है। भाजपा दलितों के मन में यह बात बिठाने में कामयाब रही है कि बाबा साहेब द्वारा संविधान के माध्यम से दिये गये आरक्षण से कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकता और प्रधानमंत्री मोदी के रहते कोई आरक्षण को खत्म नहीं कर सकता।

प्रसादम् में मिलावट भयावह और बेहद चिंताजनक

एस. सुनील

हिंदू धर्मस्थलों को मुक्ति की आवश्यकता है। इन्हें सरकारी नियंत्रण से मुक्ति की आवश्यकता है तो न्यायपालिका के समय समय पर होने वाले हस्तक्षेप और मीडिया की सतत निगरानी से भी मुक्ति की आवश्यकता है। तिरुपति प्रसादम् विवाद ने इस आवश्यकता को अनिवार्य कर दिया है। आंध्र प्रदेश की तिरुमाला की सात पहाड़ियों पर स्थित श्री भगवान वेंकटेश्वर मंदिर यानी तिरुपति मंदिर के लड्डू प्रसादम् में मिलावट का जो मामला सामने आया है वह भयावह और बेहद चिंताजनक है। यह करोड़ों हिंदुओं की आस्था को छिन्न भिन्न करने वाला है। इस विवाद से हिंदू मंदिरों और तमाम धर्मस्थलों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त करने की आवश्यकता प्रमाणित हुई है। यह सही है कि राज्य के मुख्यमंत्री श्री चंद्रबाबू नायडू ने संकेत दिया है कि अब तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम् यानी टीटीडी बोर्ड का अध्यक्ष हिंदू ही बनेगा लेकिन यह बड़ा सवाल है कि यह सरकार क्यों तय करेगी कि कौन अध्यक्ष बनेगा? यह काम सरकार के हाथ में क्यों होना चाहिए? क्या दूसरे धर्मों के धर्मस्थलों का प्रबंधन सरकार के हाथों में है? और अगर नहीं है तो क्या हिंदू धर्मस्थलों को सरकारी नियंत्रण में रखना संविधान के अनुच्छेद 14 से मिले समानता के अधिकार का उल्लंघन नहीं है?

ये सवाल इसलिए हैं क्योंकि जगन मोहन रेड्डी और उनके स्वर्गीय पिता वाईएस राजशेखर रेड्डी की सरकारों में तिरुपति के मंदिर के बोर्ड में गैर हिंदू अध्यक्ष बनाए जाने की खबरें आई थीं। इनकी सरकारों में एक ऐसे व्यक्ति को टीटीडी बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया था, जिसने भगवान वेंकटेश्वर की प्रतिमा को काला पत्थर बता कर उसे अपमानित करने की बात कही थी। ऐसे ही एक अन्य व्यक्ति को भी बोर्ड का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बनाया गया था, जिनकी पुत्री ने ईसाई रीति रिवाज से अपनी शादी का वीडियो सार्वजनिक किया था। क्या किसी दूसरे धर्म या पंथ के धार्मिक स्थल का नियंत्रण ऐसे व्यक्ति के हाथ में दिया जा सकता है, जो उस धर्म में और उसकी मान्यताओं में आस्था नहीं रखता हो? जब इस्लाम या ईसाई धर्म के धर्मस्थलों के मामले में ऐसा नहीं होता है तो हिंदू धर्मस्थलों के मामले में भी ऐसा नहीं होना चाहिए।

संविधान के अनुच्छेद 25 में सभी नागरिकों को धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार दिया गया है। इसी अनुच्छेद के आधार पर धार्मिक संस्था बनाने और आस्था के प्रचार का अधिकार भी मिला हुआ है और इसी अनुच्छेद के जरिए धार्मिक संस्थाओं को प्रशासित या प्रबंधित करने का अधिकार भी सभी धर्मों को मानने वालों को मिला है। तभी सवाल है कि कोई भी सरकार इस अनुच्छेद के अनुपालन में भेदभाव कैसे कर सकती है? अगर इस अनुच्छेद के अनुपालन में भेदभाव होता है तो वह संविधान के अनुच्छेद 14 से मिले समानता के अधिकार का उल्लंघन है। इसी आधार पर भारतीय जनता पार्टी के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. सुब्रमणियन स्वामी ने अलग अलग अदालतों में कई याचिकाएं दायर की हैं। उन्होंने उत्तराखंड में चार धाम देवस्थानम प्रबंधन का गठन करके चार धाम और 51 अन्य धार्मिक स्थलों का अधिग्रहण करने के सरकार के फैसले को चुनौती दी है। उन्होंने महाराष्ट्र में भी विट्ठल रुक्मिणी मंदिर के प्रबंधन को लेकर भी हाई

कोर्ट में याचिका दी है।

हिंदू धर्मस्थलों का नियंत्रण सरकारों के हाथ में होने या उनके प्रबंधन में सरकार के हस्तक्षेप से कई और विसंगतियां पैदा हो रही हैं, जिन पर ध्यान देने की आवश्यकता है। संविधान हर व्यक्ति को अपनी धार्मिक आस्था को बिना डरे प्रकट करने और उसका प्रचार करने की अनुमति देता है। इसका लाभ उन धर्मों को होता है, जिनके धार्मिक संस्थान सरकारी नियंत्रण में नहीं हैं और जिनको मिलने वाले चंदे और दान का सारा नियंत्रण उस धर्म को मानने वाले निजी लोगों के हाथ में है। वे इसका उपयोग अपने धर्म के प्रचार, प्रसार में करते हैं। चर्च और मस्जिदों में मिलने वाले दान का इस्तेमाल ईसाई और इस्लाम धर्म के प्रचार में किया जाता है। लेकिन क्या हिंदू मंदिरों में मिलने वाले चंदे या दान का इस्तेमाल हिंदू धर्म के प्रचार, प्रसार में किया जाता है? वास्तविकता यह है कि मंदिरों में मिलने वाले चंदे और दान के एक हिस्से का इस्तेमाल तो मंदिर के प्रबंधन और प्रशासन के संचालन में होता है लेकिन धर्म के प्रचार में इसका इस्तेमाल नहीं किया जाता है। यहां तक कि धार्मिक मान्यताओं और करोड़ों लोगों की आस्था की रक्षा के लिए भी इसका उपयोग नहीं किया जाता है। अगर इसका उपयोग उचित तरीके से किया जाता तो क्या तिरुपति के मंदिर की अपनी एक प्रयोगशाला नहीं होती, जिसमें पूजा सामग्री और प्रसादम् में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की गुणवत्ता नियमित रूप से जांची जाती? तिरुपति के मंदिर में हर साल औसतन 12 सौ करोड़ रुपए का चढ़ावा चढ़ता है। मंदिर के हजारों करोड़ रुपए बैंकों में जमा हैं। लेकिन मंदिर प्रबंधन के पास एक छोटी प्रयोगशाला नहीं है, जिसमें मंदिर में इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं की गुणवत्ता जांची जा सके! यह कितने आश्चर्य की बात है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि मंदिर प्रबंधन का करोड़ों हिंदुओं की आस्था और धार्मिक मान्यताओं से कोई सरोकार नहीं है। उनके लिए मंदिर का प्रबंधन वैसे ही है, जैसे किसी कंपनी या कल कारखाने का प्रबंधन होता है। वे मशीनी अंदाज में सरकारी कामकाज करते हैं। जिस तरह के चर्च का प्रबंधन ईसाई धर्मगुरु करते हैं या मस्जिदों का प्रबंधन मुस्लिम धर्मगुरुओं, मौलानाओं के हाथों में होता है वैसे ही हिंदू मंदिरों का प्रबंधन हिंदू धर्मगुरुओं के हाथ में होना चाहिए। मंदिरों को मिलने वाले दान या चढ़ावे की रकम का ऑडिट हो, उसमें किसी को कोई समस्या नहीं है। आमदनी और खर्च का ब्योरा सार्वजनिक किए जाने में भी कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। लेकिन साथ ही मंदिर प्रबंधन को चंदे और दान की रकम का उपयोग धार्मिक स्थल की शुचिता की रक्षा करने और धर्म के प्रचार प्रसार में करने की स्वंतत्रता भी होनी चाहिए।

सरकारों को यह समझने की जरुरत है कि मंदिर कोई सरकारी या निजी संस्था नहीं हैं। हर मंदिर की एक मान्यता है। उसका इतिहास है। उसकी समृद्ध विरासत है। भारत में अनेक मंदिर ऐसे हैं, जिनकी स्थापना सैकड़ों, हजारों साल पहले हुई है। हजारों वर्षों से कोई एक धार्मिक समूह या एक परिवार उन मंदिरों का रखरखाव और प्रबंधन करता रहा है। सिर्फ इस आधार पर उनसे यह अधिकार नहीं छीना जा सकता है कि अब वह मंदिर बहुत बड़ा हो गया है और उसको बहुत ज्यादा चंदा या चढ़ावा मिलने लगा है? क्या इस आधार पर सरकार किसी निजी कंपनी का अधिकार अपने हाथ में ले सकती है कि उसकी कमाई बहुत हो गई है? अगर नहीं ले सकती है तो फिर मंदिरों के मामले में ऐसा क्यों किया जाता है? माता वैष्णो देवी के मंदिर का प्रबंधन सदियों से बारीदार संभालते रहे थे। वे दसवीं सदी से मंदिर का प्रबंधन संभालते थे। लेकिन मंदिर की मान्यता बढ़ी और भक्तों की भीड़ बढ़ी तो माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड बना कर बारीदारों से प्रबंधन का अधिकार छीन लिया गया है। उत्तराखंड के चार धाम से लेकर कश्मीर में माता वैष्णो देवी के मंदिर तक की एक कहानी है। ऐसा सिर्फ हिंदू मंदिरों के साथ क्यों होता है?

ऐसे ही हर हिंदू मंदिर की कुछ विशिष्ट धार्मिक मान्यताएं हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि कई मान्यताएं वर्तमान समय के सामाजिक मूल्यों के संगत नहीं हैं। फिर भी उनमें बदलाव का फैसला सरकारी या अदालती आदेश से किया जाना क्या उचित है? सबरीमाला मंदिर में एक निश्चित आयु की महिलाओं का प्रवेश वर्जित है। लेकिन छुआछूत और समानता के अधिकार का हवाला देते हुए न्यायालय द्वारा इस पूजा परंपरा को समाप्त करने का आदेश दिया गया। क्या इस तरह के आदेश अन्य धर्मों में प्रचलित मान्यताओं को समाप्त करने के लिए सरकार के स्तर से या न्यायपालिका के स्तर से दिए जा सकते हैं? ध्यान रहे सामाजिक या पारिवारिक मान्यताएं अपनी जगह हैं। उनको समय के हिसाब से बदला जा सकता है। जैसे सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक के नियम को असंवैधानिक घोषित कर दिया। लेकिन धार्मिक मान्यताएं और परंपराएं इस दायरे में नहीं आती हैं।

बहरहाल, तिरुपति मंदिर के लड्डू में जानवरों की चर्बी और मछली के तेल की मिलावट का मामला समूचे हिंदू समाज की आस्था पर गहरा प्रहार है। लेकिन इस विवाद ने एक अवसर को जन्म दिया है। इससे सबक लिया जाना चाहिए और हिंदू धर्मस्थलों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त किया जाना चाहिए। उनका प्रबंधन हिंदू धर्म में गहरी आस्था रखने वाले और परंपराओं का सम्मान करने वाले धर्मगुरुओं के हाथ में सौंपी जानी चाहिए। उन्हें भी मंदिरों को मिलने वाले दान और चंदे का विवेकपूर्ण तरीके से धर्म के प्रचार, प्रसार में खर्च करने की अनुमति होनी चाहिए। उन्हें भी धार्मिक स्थलों का विकास करने की अनुमति होनी चाहिए। संविधान का अनुच्छेद 30 भाषायी और धार्मिक अल्पसंख्यकों को अपने शैक्षणिक संस्थान बनाने और उन्हें संचालित करने का अधिकार देता है। हिंदू धर्मस्थलों को भी इस तरह का अधिकार दिया जाना चाहिए कि वे अपने शैक्षणिक संस्थान स्थापित करें और उनका संचालन करें, जहां आधुनिक शिक्षा के साथ साथ धर्म, परंपरा और संस्कृति के पांच हजार साल पुराने इतिहास की भी शिक्षा दी जा सके।

जयशंकर चुप ही रहे

पड़ोसी देशों का भारत से रिश्ता वहां के किसी एक राजनीतिक खेमे पर इतना निर्भर क्यों है? इसका आधार पूरे सियासी दायरे में क्यों नहीं है? फिर उन देशों में भारत विरोधी भावनाओं के लिए खुद भारत के सत्ताधारी नेता कितने जिम्मेदार हैं? विदेश नीति के मोर्चे पर भारत को गहरे आत्म-निरीक्षण की जरूरत है, लेकिन वर्तमान सरकार से इसकी अपेक्षा निराधार है। इस सरकार की पहचान प्रतिकूल स्थितियों में अनुकूलता के तत्व गढने) की रही है। यही संकेत फिर मिला, जब विदेश मंत्री एस. जयशंकर वॉशिंगटन स्थित एशिया सोसायटी के संवाद में शामिल हुए। वैसे उनसे यह सुनना कर्णप्रिय लगा कि पड़ोसी देशों की अंदरूनी घटनाएं भारत की इच्छा के मुताबिक घटे, ऐसी अपेक्षा भारत नहीं रखता। संदर्भ लगभग दो महीने पहले बांग्लादेश में हुए सत्ता पलट और इसी हफ्ते श्रीलंका में आए चुनाव नतीजों का था। पांच अगस्त को शेख हसीना के देश छोडने पर मजबूर होने के बाद से बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं ऊफान पर हैं। इधर समझा जाता है कि श्रीलंका के नए राष्ट्रपति अनूरा कुमार दिसानायके और उनकी पार्टी जनता विमुक्ति पेरामुना परंपरागत रूप से भारत विरोधी रही हैं। मतलब यह कि दो महीनों के अंदर दो पड़ोसी देशों में भारतीय विदेश नीति के लिए नई चुनौतियां पैदा हुई हैं। आत्म-निरीक्षण का विषय यह होना चाहिए कि आखिर पड़ोसी देशों का भारत से रिश्ता वहां के किसी एक राजनीतिक खेमे पर इतना निर्भर क्यों है? इसका आधार पूरे सियासी दायरे में व्यापकता लिए क्यों नहीं है? आत्म-निरीक्षण का दूसरा विषय है कि उन देशों में भारत विरोधी भावनाओं के लिए खुद भारत के सत्ताधारी नेता कितने जिम्मेदार हैं? अभी हाल में गृह मंत्री अमित शाह झारखंड में चुनाव प्रचार में गए, तो वहां उन्होंने बांग्लादेशियों के बारे में कुछ ऐसा कहा, जिससे बांग्लादेश में भारत विरोधी भावनाएं फिर भड़क उठीं। शाह पहले भी बांग्लादेशियों के लिए दीमक जैसे शब्द बोल चुके हैं। इसी तरह तमिलनाडु में चुनाव के मौके पर प्रधानमंत्री ने कच्चतिवू द्वीप का मसला जोरशोर से उठाया था, जिसको लेकर श्रीलंका में तीखी प्रतिक्रिया हुई थी। विडंबना यह है कि चुनाव के बाद कच्चतिवू के सवाल को भुला दिया गया। सत्ता के शिखर पर बैठे नेता जब चुनावी गणना के मुताबिक दूसरे देशों से संबंधित मुद्दे गरमाते हैं, तो क्या उन्हें इसके उन देशों में संभावित असर का ख्याल नहीं रहता? ऐसे बिंदुओं पर जयशंकर चुप ही रहे।

सर्वाइकल दर्द से छुटकारा पानें के लिए आजमाएं कारगर योगासन

कम्प्यूटर या लैपटॉप पर घंटो तक एक ही पोश्चर में बैठकर काम करने से अक्सर गर्दन के पिछले हिस्से और कंधों में दर्द की शिकायत होती है जिसे सर्वाइकल पेन कहते हैं, सर्वाइकल पेन की शिकायत हर उम्र के लोगों में सामान्य रूप से देखी जा रही है। मोबाईल पर घंटो तक एक ही पोश्चर में बात करने से भी सर्वाइकल की परेशानी हो सकती है। शुरू में यह समस्या छोटी लगती है लेकिन समय से इलाज ना होने से यह खतरनाक रूप भी ले सकती है। योगासन के द्वारा सर्वाइकल की समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है।

बालासन : नियमित रूप से बालासन का अभ्यास आपको सर्वाइकल के दर्द से राहत दे सकता है। इसके लिए आप वज्रासन की मुद्रा में बैठें फिर अपने दोनों हाथों को ऊपर की तरफ ले जाएं। हाथ सिर की दिशा में सीधे रहें, इस मुद्रा में थोड़ी देर तक रहें हाथों को समान दूरी पर बनायें रखें, अब सांस छोड़ते हुए हाथों को नीचे लाएं, हाथों को जमीन तक लाएं। सिर को जमीन से स्पर्श कराएं। अब सामान्य स्थिति में वापस आ जाए। इस मुद्रा को पांच से सात बार दोहराएं।

ताड़ासन : ताड़ासन के नियमित अभ्यास से आपको आपको सर्वाइकल दर्द से राहत तो मिलती ही है साथ ही यह आपकी पूरी बॉडी को भी एक्टिव बनाने में सहायक है। ताड़ासन में आप सबसे पहले सीधे खड़े हो जाएं अब दोनों एड़ियों को मिला लें। दोनों हाथों को ऊपर ले जाएं दोनों हथेलियों को प्रणाम की मुद्रा में आपस में मिला लें, सांस लें और हाथों को स्ट्रेच करें। थोड़ी देर इसी मुद्रा में बनें रहें सांस छोड़ते हुए हाथों को नीचे ले आएं।

भुजंगासन : भुजंगासन सर्वाइकल दर्द के लिए सबसे प्रभावी आसान है। इसके लिए आप पेट के बल लेट जाएं, दोनों हथेलियों को अपने चेस्ट की सीध में ले आएं। अब हथेलियों की सहायता से सीने को ऊपर की तरफ उठायें, ध्यान रहें सारा भार हथेलियों पर ही रहे गहरी सांस लें और सिर को पीछे की ओर ले जाएं, कुछ देर इस मुद्रा में बनें रहें, अब सांस छोड़ते हुए वापस रिलेक्स की मुद्रा में आएं। भुजंगासन से आपको स्ट्रेस से राहत मिलती है और डबल चिन की परेशानी भी दूर होती है।

मार्जरी आसन : मार्जरी आसन में आपकी पूरी बॉडी स्ट्रेच होती है। मार्जरी आसन के लिए पैरों और हाथों के बल आ जाएं, सिर को सीने की तरफ ले जाएं और कमर को ऊपर की ओर ले जाएं। मार्जरी आसन से बॉडी स्ट्रेच होती है और आपको रिलैक्स फील होता है।

धनुरासन : धनुरासन में आपको सर्वाइकल दर्द से छुटकारा मिलता है और इससे सर्वाइकल बोन्स को भी आराम पहुंचता है। धनुरासन में आप पेट के बल लेट जाएं पैरों के बीच ज्यादा दूरी ना रखें, दोनों हाथ शरीर की तरफ हो। घुटनों को मोड़ें और अपनी कमर के पास ले आएं, दोनों एड़ियों को हाथों से पकड़ें। अब सांस लें और सीने को जमीन से ऊपर उठायें और एड़ियों को खीचतें हुए सिर की सीध में लाएं। इस आसन में आपका शरीर एक धनुष के आकार का होगा। बॉडी को ज्यादा स्ट्रेच ना करें, अब सामान्य मुद्रा में वापस आ जाएं।

मकरासन : मकरासन अर्थात मगरमच्छ जैसी मुद्रा, इससे आपको सर्वाइकल के दर्द के साथ ही तनाव की समस्या से मुक्ति मिलेगी। मकरासन में सबसे पहले पेट के बल लेट जाएं और दोनों कोहनियों को जमीन पर रख दे।

अब अपनी चिन को दोनों हाथों पर रख दें, सिर और कंधो को ऊपर उठायें। दोनों पैरों के बीच दूरी सामान्य दूरी बनायें। सांस लें और आंखे बंद करके ध्यान केंद्रित करें और शरीर को ढीला छोड़े। कुछ देर बाद आंखे खोलें और इस मुद्रा को दोहराएं।

त्वचा की इन समस्याओं को दूर करता है हींग और शहद का मिश्रण

हींग और शहद दोनों का प्रयोग स्किन के लिए कई तरह से फायदेमंद है। हींग पहले तो आपके लिए एक स्क्रब की तरह काम करता है और डेड सेल्स को निकालता है। ये ऑयली, सेंसिटिव और ड्राइ, तीनों प्रकार की स्किन के लिए जरूरी है। इसके बाद हींग और शहद चेहरे पर लगाने से एक्ने को कम करता है, खुजली को कम करता है और चेहरे को स्वस्थ रखता है। इसके अलावा भी हींग और शहद को आप कई प्रकार के फेस पैक और क्लीजिंर बना कर सकता है।

त्वचा के लिए कैसे इस्तेमाल करें हींग और शहद

स्क्रब की तरह : हींग और शहद को मिला कर आप स्क्रब की तरह इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए आपको बस हींग में शहद मिलाना है और इसे अपने चेहरे पर लगाना है। फिर गुनगुने पानी को हांथ पर लगाएं और चेहरे की मसाज करें। फिर चेहरे धो लें।

क्लींजर की तरह : हींग को थोड़ा सा पीस लें और फिर इसमें शहद व एलोवेरा मिलाएं। फिर इसे अपने चेहरे पर लगाएं। हल्के हांथ से चेहरे को साफ करें। अब पानी से अपना चेहरा साफ कर लें।

एंटी एक्ने की तरह : एंटी एक्ने की तरह आप हींग, शहद और हल्दी को एक साथ मिला कर चेहरे पर लगा सकते हैं। फिर इसे थोड़ी देर रहने दें और ठंडे पानी से अपना चेहरा धो लें।

त्वचा के लिए हींग और शहद लगाने के फायदे

डेड सेल्स हटाता है : डेड सेल्स को हटाने में हींग और शहद बहुत ही फायदेमंद है। इसका रूखापन चेहरे के डेड को अंदर से साफ करता है तो, शहद चेहरे को अंदर से नरिश करने का काम करती है।इस तरह ये दोनों मिल कर चेहरे को साफ और हेल्दी रखते हैं।

एंटी बैक्टीरियल है : हींग और शहद एक एंटीबैक्टीरियल की तरह काम करता है। ये एक्ने को ठीक करता है और चेहरे में नए मुहांसों को होने से रोकता है। साथ ही इसका एंटी फंगल गुण भी चेहरे को फंगल इंफेक्शन से बचाती है और चेहरे को दूसरी समस्याओं से बचाव में मदद करती है।

एंटी-एजिंग गुणों से भरपूर : हींग और शहद, दोनों ही एंटी एजिंग गुणों से भरपूर है और ये चेहरे से झुर्रियों, महीन रेखाओं और उम्र के धब्बों को कम करने में मदद करते हैं। इसे इस्तेमाल करने के लिए आप हींग को गुलाब जल और मुल्तानी मिट्टी के साथ मिलाकर एक प्रभावी एंटी-रिंकल फेस मास्क बना सकते हैं और इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक कटोरी में मुल्तानी मिट्टी और शहद मिलाकर उसमें गुलाब जल की कुछ बूंदें मिलाएं। मिश्रण में हींग छिड़कें और अच्छी तरह से फेंटकर पतला पेस्ट बना लें। चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट तक मसाज करें। यह फेस मास्क झुर्रियों और उम्र के धब्बों को कम करने में आपकी मदद करेगा।

स्किन व्हाइटनिंग में मददगार : हींग को आप एक स्किन व्हाइटनिंग एजेंट के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। ये चेहरे में गोरापन को बढ़ावा देता है और काले धब्बे, मुंहासे के निशान और तेलीयता को कम करता है। यह स्वाभाविक रूप से त्वचा में टायरोसिन के उत्पादन को बाधित करता है। टायरोसिन मानव त्वचा में मेलेनिन के उत्पादन को बढ़ावा देता है जिससे त्वचा का काला पड़ना, समय से पहले बूढ़ा होना और सुस्ती हो जाती है। हींग टाइरोसिन के उत्पादन पर नियंत्रण रखता है। इस प्रकार, आप बड़े पैमाने पर हींग और शहद से फेस मास्क उपयोग करके स्किन की खूबसूरती बढ़ा सकते हैं।

ड्राईनेस को कम करता है : प्रदूषण और तनाव से त्वचा रूखे और क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। हींग एक ड्राईनेस रिपेयरिंग एजेंट की तरह काम करता है जो चिकनी और नम त्वचा प्रदान करता है। यह त्वचा के रूखेपन के सभी दिखाई देने वाले लक्षणों जैसे डलनेस, पीलिंग, क्रैकिंग, झाईयां, झुर्रियां और पिग्मेंटेशन को मिटा सकता है। इसके लिए बस एक कटोरी में दूध लें और इसमें गुलाब जल मिलाकर, शहद मिलाएं। मिश्रण में हींग डालें और अच्छी तरह फेंटें।

इसे रेफ्रिजरेटर में स्टोर करें और फेस मास्क की तरह इस्तेमाल करें।

सोच-समझकर कर करें दवाओं का सेवन

आजकल डॉक्टर एकसाथ कई दवाओं का प्रयोग यह सोचकर कर रहे हैं कि एक नहीं तो दूसरी दवा तो काम करेगी ही। लेकिन ये दवाएं कई बार मरीजों के लिए खतरनाक साबित हो रही हैं। अगर आपको लगे कि दवाओं की संख्या ज्यादा है तो सेकेंड ओपिनियन लेने से हिचके नहीं।

जरूरी है विश्लेषण

मंथली इंडेक्स ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज के संपादक डॉ. चन्द्रा गुलाटी कहते हैं कि डॉक्टरों को रोग का विश्लेषण करके जरूरी टेस्टों के बाद ही एंटीबायोटिक लेने की सलाह देनी चाहिए। दर्दनिवारक दवाओं का जरूरी होने पर ही प्रयोग करें।

सेहत पर भारी

डॉ. चंद्रा के अनुसार आजकल कई डॉक्टर हिट या मिस वाला फार्मूला अपना रहे हैं और एक साथ कई दवाओं का प्रयोग यह सोचकर कर रहे हैं कि एक नहीं तो दूसरी दवा तो काम करेगी ही। जबकि उनको मरीज की सेहत के लिहाज से इस प्रवृत्ति से बचना चाहिए। लिखी गई दवाओं पर शंका हो तो डॉक्टर से एक बार उनके बारे में पूछ लेना चाहिए।

ये करें मरीज

डॉक्टरी पर्चे को ध्यान से पढ़ें। उन्होंने जो दवाएं लिखी हैं उनके बारे में जान लें कि कौनसी दवा किस काम की है। उनसे रोग के बारे में भी पर्चे पर लिखने को कहें। डॉक्टर जो जांच करवाने को कहे उन्हें करवा लें। आपको लगे कि दवाओं की संख्या ज्यादा है या कॉम्बिनेशन दवाएं लिखी गई हैं तो सेकेंड ओपिनियन लेने में हिचके नहीं।

सही कॉम्बिनेशन जरूरी

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक गुप्ता के अनुसार कुछ स्थितियां ऐसी होती हैं जिसमें बीमारियों के लक्षण एक-दूसरे से जुड़े होते हैं जैसे जुकाम होने पर बच्चे को अक्सर खांसी और बुखार हो जाता है। ऐसे में यह डॉक्टर की जिम्मेदारी होती है कि वे बच्चे को उचित संयोजन (रेशनल कॉम्बिनेशन) वाली दवाएं ही लिखें। मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया भी समय-समय पर डॉक्टरों को शिक्षित करती है कि वे मरीजों को कम से कम और सही दवाएं लिखें क्योंकि एक साथ कई दवाओं का गलत कॉम्बिनेशन शरीर को नुकसान पहुंचाता है और धीरे-धीरे दवाएं बेअसर होने लगती हैं।

इंट्रेक्शन ऑफ ड्रग्स

फिजिशियन डॉ. जी. डी. पारीक के अनुसार मरीज के लिए कोई भी दवाएं लिखने से पहले डॉक्टर को यह सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि उन दवाइयों मे इंट्रेक्शन तो नहीं है क्योंकि अगर ऐसा हुआ तो उनमें से किसी एक दवा का असर कम होगा या बढ़ जाएगा।

खाली पेट चबाएं पुदीने की पत्तियां मिलेगा कई गंभीर समस्याओं से छुटकारा

शरीर को स्वस्थ रखने और बीमारियों से बचाने के लिए प्रकृति ने कई औषधियां दी हैं। इन्हीं औषधियों में से एक पुदीना है, पुदीने का सेवन और इस्तेमाल सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। पेट से जुड़ी परेशानियां हों या शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ानी हो, इन सभी परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए पुदीने की पत्तियों का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। पुदीने की पत्तियों को खाली पेट चबाने से आपकी सेहत को अनेकों फायदे मिलते हैं। इनमें मौजूद गुण आपके ओरल हेल्थ को बेहतर बनाने से लेकर शरीर की कई गम्भीर परेशानियों को दूर करने में उपयोगी माने जाते हैं। आइए इस लेख में विस्तार से जानते हैं खाली पेट पुदीने की पत्तियों को चबाने के फायदे और तरीका। पुदीने को एक नेचुरल हर्ब माना जाता है। इसका इस्तेमाल करने से आपको पेट से जुड़ी समस्याओं में बहुत फायदेमंद माना जाता है। पुदीने की पत्तियों को सुबह खाली पेट चबाने से एसिडिटी और बदहजमी जैसी गंभीर परेशानियों में भी फायदा मिलता है।

सर्दी-जुकाम में फायदेमंद

सर्दी-जुकाम की समस्या में पुदीने की पत्तियों को चबाने से आपको इन्फेक्शन और सर्दी-जुकाम की समस्या में बहुत फायदा मिलता है। इसकी पत्तियों में मौजूद माइक्रोबियल गुण सर्दी-जुकाम से छुटकारा पाने के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। रोजाना सुबह पुदीने की पत्तियों का सेवन करने से कई तरह के संक्रमण से छुटकारा मिलता है।

पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद

पेट और पाचन तंत्र से जुड़ी कई गंभीर परेशानियों के लिए पुदीने की पत्तियां बहुत फायदेमंद होती हैं। पुदीने की पत्तियों में मौजूद गुण कब्ज, अपच और एसिडिटी की समस्या से छुटकारा दिलाते हैं। रोजाना सुबह के समय पुदीने की कुछ साफ पत्तियों को चबाने से आपको बहुत मिलेगा।

ओरल हेल्थ के लिए फायदेमंद

मुंह से बदबू दूर करने और ओरल हेल्थ को बेहतर बनाने के लिए पुदीने की पत्तियों का सेवन बहुत फायदेमंद है। इसकी पत्तियों को सुबह चबाने से मुंह की बदबू दूर होती है और पूरे दिन ताजगी बनी रहती है। इसके अलावा दांत और मसूड़ों को भी समस्याओं से बचाने के लिए भी इसे चबाना बहुत फायदेमंद होता है।

स्किन के लिए फायदेमंद

स्किन के लिए पुदीने के पत्तियों का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। स्किन पर मौजूद दाग-धब्बों और मुंहासों को हटाने के लिए भी पुदीने की पत्तियां फायदेमंद होती हैं। रोजाना सुबह के समय इसे चबाने से आपकी स्किन को भी बहुत फायदा मिलता है।

शरीर को टॉक्सिक पदार्थों से बचाए

शरीर को टॉक्सिक पदार्थों से बचाने के लिए भी पुदीने की पत्तियों का सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट और अन्य गुण शरीर को डिटॉक्स करने और गंदगी को बाहर निकलती है।

छुहारा और किशमिश एक साथ खाने से आपको मिलेंगे ये जबरदस्त फायदे

शरीर को हेल्दी रखने के लिए पौष्टिक और संतुलित आहार की जरूरत होती है। नियमित रूप से ड्राई नट्स और फ्रूट्स का सेवन करने से आपको बहुत फायदा मिलता है। छुहारा और किशमिश दोनों ही सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माने जाते हैं। छुहारा और किशमिश दोनों ही पोषक तत्वों का भंडार होते हैं और इनमें मौजूद गुण शरीर को कई बीमारियों से बचाने का भी काम करते हैं। सर्दियों के मौसम में छुहारा और किशमिश खाने से आपको विशेष फायदे मिलते हैं। छुहारा और किशमिश में फाइबर की पर्याप्त मात्रा होती है जो पेट से जुड़ी परेशानियां जैसे कब्ज, अपच आदि की समस्या में भी बहुत उपयोगी होते हैं। रोजाना एक साथ छुहारा और किशमिश का सेवन करने से आपको हार्ट डिजीज का खतरा कम रहता है। छुहारा में सेहत के लिए फायदेमंद एनर्जी, प्रोटीन, कार्ब्स, फाइबर, शुगर, कैल्शियम, फैट और आयरन आदि की पर्याप्त मात्रा होती है। वहीं किशमिश में मौजूद कैल्शियम, आयरन, फाइबर समेत कई पोषक तत्व शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इन दोनों का एक साथ सेवन करने से आपको दोगुने फायदे मिलते हैं। छुहारा और किशमिश का एक साथ सेवन करने से मिलने वाले फायदे इस तरह से हैं-

कब्ज और पाचन से जुड़ी समस्याओं में उपयोगी

छुहारा और किशमिश दोनों ही फाइबर के अच्छे सोर्स माने जाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर की मात्रा पेट और इससे जुड़ी समस्याओं में बहुत उपयोगी होती है। नियमित रूप से सुबह के समय भीगे हुए किशमिश और छुहारा का सेवन करने से अपच और कब्ज की समस्या में बहुत फायदेमंद होता है।

खून की कमी में फायदेमंद

शरीर में खून की कमी या एनीमिया की समस्या में भी छुहारा और किशमिश का सेवन बहुत फायदेमंद होता है। किशमिश और छुहारे दोनों में ही आयरन की पर्याप्त मात्रा होती है। नियमित इसका सेवन करने से आपके शरीर में हीमोग्लोबिन की मात्रा बढ़ती है। इससे आपके शरीर में खून की कमी नहीं होती।

आंखों के लिए फायदेमंद

छुहारा और किशमिश का सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है। किशमिश में मौजूद पॉलीफेनोलिक और फाइटोन्यूट्रिएंट्स आंखों के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। दूध में छुहारा और किशमिश मिलाकर रोजाना सेवन करने से आपके आंख की रोशनी बढ़ती है और परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

कमजोरी दूर करने में उपयोगी

शारीरिक कमजोरी दूर करने के लिए छुहारा और किशमिश का एक साथ सेवन बहुत फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद गुण शरीर को पर्याप्त पोषण देने का काम करते हैं। दरअसल छुहारा और किशमिश में एनर्जी की मात्रा होती है और पर्याप्त मात्रा में दूसरे पोषक तत्व पाए जाते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने पर शारीरिक कमजोरी से छुटकारा मिलेगा।

हार्ट के लिए फायदेमंद

हार्ट के लिए छुहारा और किशमिश का एक साथ सेवन बहुत फायदेमंद है। किशमिश और छुहारा में मौजूद फाइबर, पोटैशियम के साथ बायोएक्टिव गुण पाए जाते हैं। नियमित रूप से इसका सेवन करने से आपका हार्ट हेल्दी रहता है और दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है।

हड्डियों के लिए फायदेमंद

छुहारा और किशमिश का एक साथ सेवन करने से आपकी हड्डियां मजबूत होती हैं और इससे जुड़ी बीमारियां का खतरा कम होता है। छुहारा और किशमिश दोनों में ही कैल्शियम की पर्याप्त मात्रा पायी जाती है, जो हड्डियों को मजबूत और हेल्दी रखने के लिए फायदेमंद होता है। इसके अलावा अगर आप छुहारा और किशमिश को दूध में मिलाकर खाते हैं, तो दोगुना फायदे मिलते हैं।

संक्षिप्त समाचार

एसडीएम श्री उमेश साहू ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का किया औचक निरीक्षण

महासमुंद (समय दर्शन)। एसडीएम बागबाहरा श्री उमेश कुमार साहू द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तेंदुकोना का आज औचक निरीक्षण किया गया। उन्होंने आमजन से सुविधाओं के बारे में जानकारी लिया। साथ ही मूलभूत सुविधाओं सहित दवाईयों की भी जानकारी व संधारित पंजियो का अवलोकन किया गया। उपस्थिति पंजी में अवकाश आवेदन पर सी. एल. दर्ज करने निर्देशित किया गया। निरीक्षण दौरान उन्होंने केन्द्र में बेहतर साफ-सफाई, प्रतिदिन बेडशीट को बदलना और वेस्ट मटेरियल को नियमानुसार प्रबंधन करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि सभी डॉक्टर समय पर आएं। इस दौरान मेडिकल ऑफिसर रानू देवता, रूरल मेडिकल असिस्टेंट प्रीति अग्रवाल, जितेंद्र टांडेकर, स्टाफ नर्स किरण साहू, गायत्री साहू, आरएचओ रेखा दीवान, एमएलटी नरेश भोई उपस्थित थे।

चिल्पी पुलिस ने की 3 आरोपियों से 2 करोड़ साढ़े 27 लाख रुपए नगद एवं मारुति एसकास कार जप्त

कवर्धा (समय दर्शन)। पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगाँव रेंज राजनांदगाँव श्री दीपक कुमार झाँ के निर्देशन एवं कबीरधाम पुलिस अधीक्षक श्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा अति. पुलिस अधीक्षक श्री पुष्पेन्द्र बघेल एवं उप पुलिस अधीक्षक नक्सल चिल्पी श्री सतीश धुर्वे के दिशा-निर्देश में बार्डर पर अवैध तस्करों एवं अन्य अपराधिक गतिविधियों पर लगातार प्रभावी कार्यवाही करने निर्देषित किया गया है। इसी तारतम्य में थाना प्रभारी श्री उमाशंकर राठौर के कुशल नेतृत्व में

चिल्पी पुलिस ने संदिग्ध वाहनों की सघन चेकिंग के दौरान शुक्रवार को आबकारी चेकपोस्ट के पास 11 अक्टूबर 24 को मण्डला की ओर से आ रहा एक नीले रंग की मारुति एस कास कार को रोका। वाहन क्रमांक एमपी-51 सीए-9891 में 3 लोग बैठे थे। वे पूछताछ में अपना नाम-1. गगन जैन पिता स्व. गिरीश जैन 33 साल एवं अमन जैन पिता स्व. गिरीश जैन 30 साल दोनों सा. वार्ड-8 श्रीराम वार्ड मण्डला तथा तीसरे ने नवीन ठाकुर पिता ताराचंद्र ठाकुर 25 वर्ष सा. हेजा नगर थाना महाराजपुर जिला-मण्डला म.प्र., बताया। वाहन की चेकिंग में पीछे कार की डिग्गी में अलग-अलग थैलियों में 500-500 सौ रुपए की गड्डी भारी मात्रा में मिला। उक्त वाहन क्रमांक एमपी-51, सीए-9891 एवं वाहन में बैठे तीनों लोगों को थाना परिसर लाकर वाहन में रखे नोटों से भरी थैलियों को निकाला और नोंट गिनने वाली मशीन मंगवाई गई। नोटों की गिनती किया गया। गिनती करने पर 500-500 सौ रूपये के 455 गड्डियाँ, प्रत्येक गड्डी में 500 रुपए के 100 नग नोट प्रत्येक गड्डी में 50 हजार रुपए जुमला नोट की संख्या 45 हजार 500 नग नोट जुमला राशि कुल 2, 27, 50000/ रुपए (अक्षरी दो करोड़ सत्ताईस लाख पचास हजार रुपए) एवं एस काम कार क्रमांक एमपी-51, सीए-9891 कीमती 400000 रुपए कुल जुमला 2 करोड़ 31 लाख 50000 रुपए जप्त किया गया। संदेहियो ने उक्त रकम के बारे बताया कि रायपुर मे प्रापर्टी खरीदने के नाम पर रुपए ले जा रहे हैं। लेकिन जप्त रकम के संबंध में कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। जिस पर थाना चिल्फी मे उचित वैधानिक कार्यवाही की गई है एवं अग्रिम कार्यवाही हेतु आयकर विभाग को सूचना दी गई है।

उक्त प्रकरण में चिल्पी थाना प्रभारी निरीक्षक उमाशंकर राठौर हमराह उप निरी. राजेश्वर सिंह ठाकुर, आर. क्रमांक जितेन्द्र चंद्रवंशी, अमन वाहने, आशु तिवारी, पंकज यादव, संतोष साहू, अजय चंद्रवंशी, पप्पु पनागर, सुभाष चंद्र सोनकर का सराहनीय योगदान रहा।

जन समस्या शिविर में प्राप्त आवेदनों का समय सीमा एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण करने दिए निर्देश

ग्राम अमलोर में आयोजित किया गया जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर

कलेक्टर ने शिविर में स्टाप डेम और सड़क निर्माण के लिए भरोसा दिलाया

शिविर मे बड़ी संख्या में आए ग्रामीण

कुल प्राप्त 107 आवेदन में से 36 का मौके पर हुआ निराकरण

विभिन्न हितग्राहियों को योजनाओं से किया गया लाभान्वित

महासमुंद (समय दर्शन)। जिला स्तरीय जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन आज महासमुंद विकासखंड के दूरस्थ ग्राम पंचायत अमलोर में आयोजित किया गया। यहाँ कलेक्टर विनय लंगेह सहित जनप्रतिनिधिगण और प्रशासनिक अधिकारी शिविर मे मौजूद थे। शिविर में अमलोर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे। उपस्थित ग्रामीणों के बीच जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

शिविर में कुल 107 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें से 36 आवेदन मौके पर ही निराकरण किया गया। आरटीओ से संबंधित 64 आवेदन प्राप्त हुए जिसका लर्निंग लाइसेंस बनाने की प्रक्रिया की गई। अन्य आवेदन मांग तथा शिकायत संबंधी होने की वजह से आवेदन पर परीक्षण कर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। शिविर में जिला पंचायत सदस्य श्री अमर अरुण चंद्राकर, जनपद सदस्य अजय मंगल ध्रुव, जिला पंचायत सीईओ एस. आलोक, एसडीएम हरिशंकर पैकरा, जनपद सीईओ बी.एस. मंडावी, जिला स्तरीय अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे।

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने शिविर को सम्बोधित करते हुए कहा कि राज्य शासन के मंशानुरूप आमजनों की समस्या के तत्काल निराकरण हेतु महासमुंद ब्लॉक के ग्राम पंचायत अमलोर में आज जिला स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया है। कलेक्टर ने कहा कि शिविर में प्राप्त शिकायतों की जांच के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। ग्रामीणों की स्थानीय स्तर की समस्याओं का निराकरण जनपद पंचायत व तहसील स्तर पर करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए है। कलेक्टर ने कहा कि हम सब यहाँ शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए आये हैं। इसमें जनता का सहयोग भी अपेक्षित है। उन्होंने शिविर में मखमला नाला के पास स्टाप डेम निर्माण और दशपुर-अमलोर सड़क निर्माण के लिए आवश्यक जांच कर तथा वन विभाग से समन्वय बनाकर निर्माण के लिए भरोसा दिलाया। इस अवसर पर कलेक्टर ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया और प्राप्त आवेदनों की जानकारी ली स्टॉल का अवलोकन किया और सभी अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व विभाग के स्टॉल में अवलोकन के दौरान कहा कि नामांकन, सीमांकन एवं बटवारा तथा अन्य राजस्व संबंधी प्रकरणों का समय पर गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें। जाति, आय, निवास प्रमाण पत्र समय पर बनाकर देने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जनसामान्य के लिए लगाए जा रहे शिविर में शासन की लोक कल्याणकारी योजनाओं से आम जनता अधिक से अधिक लाभान्वित हो, इसके लिए कार्य करें। उन्होंने गर्भवती माताओं को हरी सब्जी एवं पौष्टिक आहार लेने के लिए कहा। शिशुवती माताओं को पौष्टिक आहार अपने बच्चों को खिलाने के लिए प्रोत्साहित किया।

शिविर को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सभापति अमर अरुण चंद्राकर ने कहा कि सिरपुर जैसे दूरस्थ अंचल में शिविर का आयोजन करना प्रशासन की संवेदनशीलता का प्रतीक है। यहां शिकायत से संबंधित बहुत कम संख्या में आवेदन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्व विभाग द्वारा जाति प्रमाण पत्र और ऋण पुस्तिका का वितरण जैसे समस्याओं को तत्काल निराकरण किया। उन्होंने कहा कि आदिम जाति विभाग से भी किसी तरह की समस्या प्राप्त नहीं हुई है। यह प्रशासन के प्रति लोगों का विश्वास है। शिविर की जनपद सदस्य अजय मंगल ध्रुव और सरपंच श्रीमती रूपा जयप्रकाश यादव ने भी संबोधित किया।

कलेक्टर लंगेह ने आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों को दिए गए समय सीमा के भीतर संबंधित अधिकारी से संपर्क कर अपनी समस्याओं के निराकरण की जानकारी प्राप्त करने कहा। इस अवसर पर शिविर में कलेक्टर विनय लंगेह ने अतिथियों के साथ विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं से ग्रामीणों को लाभान्वित किया गया। शिविर में हितग्राहियों को 03 आयुष्मान कार्ड, एक ऋण पुस्तिका, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के 11 हितग्राहियों को आवास की प्रतीकात्मक चाबी एवं आवास स्वीकृति पत्र और तीन महिला समूहों को तीन-तीन लाख रुपए का सामूहिक ऋण प्रदान किया। राजस्व विभाग द्वारा कमार जनजाति के कामता प्रसाद को जाति प्रमाण पत्र प्रदान किया। साथ ही उनके दो बच्चे नरसिंह और लक्की का भी जाति प्रमाण पत्र बनाया गया। उन्होंने जाति प्रमाण पत्र बनाने की सरलीकृत प्रक्रिया के लिए जिला प्रशासन और शासन को धन्यवाद दिया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल पर शिविर में जनप्रतिनिधियों द्वारा विभागीय योजनाओं के तहत नन्हें शिशुओं का अन्नप्राशन एवं गर्भवती महिलाओं की गोद भराई कराया गया। महिलाओं को सुपोषण टोकरी भी अतिथियों द्वारा प्रदान किया गया। इसके आलावा नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, आधार कार्ड, परिवहन, श्रम पंजीयन के लिए स्टॉल लगाया गया था। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्रामीणों का नि:शुल्क स्वास्थ्य चेकअप जिसमें बीपी, शुगर, आंख, सिकल सेल सहित अन्य स्वास्थ्य जांच की गई और आवश्यकता अनुसार मरीजों को नि:शुल्क दवाई दी गई।

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के सीईओ श्री एम के राउत ने समीक्षा बैठक लेकर जिला रेडक्रॉस सोसायटी के गतिविधियों की समीक्षा की

जिले के देहदान करने वाले व्यक्तियों का किया गया सम्मान

भानू साहू/बालोद। इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं जनरल सेक्रेटरी श्री एम के राउत ने आज संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में बैठक लेकर जिला रेडक्रॉस सोसायटी बालोद द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ के चेयरमेन श्री अशोक अग्रवाल, कलेक्टर एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी बालोद के अध्यक्ष श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला बालोद के सचिव डॉ. एम के सूर्यवंशी, एसडीएम बालोद श्रीमती प्रतिमा ठाकरे झा, एसडीएम गुरूर सुश्री प्राची ठाकुर सहित अन्य अधिकारियों के अलावा जिला रेडक्रॉस सोसायटी बालोद के आजीवन सदस्य एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री प्रदीप चोपड़ा सहित डॉ. प्रदीप जैन एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित थे। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एम के राउत एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ के चेयरमेन श्री अशोक अग्रवाल ने बालोद जिले के निवासियों के समाज हित के पुनीत एवं महत्वपूर्ण कार्य के लिए देहदान में अग्रणी भागीदारी की भूरी-भूरी सराहना की। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राउत, चेयरमेन श्री अशोक अग्रवाल एवं कलेक्टर श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने देहदान करने वाले व्यक्तियों का सम्मान कर उनके इस कार्य को राष्ट्र व समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री राउत ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव डॉ. एम के सूर्यवंशी को जिला रेडक्रॉस सोसायटी के कार्यकारिणी के गठन हेतु 15 नवंबर तक अनिवार्य रूप से जिला रेडक्रॉस सोसायटी के साधारण सभा की बैठक आयोजित करने के निर्देश दिए। श्री राउत ने साधारण सभा की बैठक में जिला रेडक्रॉस सोसायटी के प्रबंध समिति के कम से कम 10 सदस्यों का निर्वाचन कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रबंध समिति के सदस्य में से निर्वाचित 10 सदस्यों में से इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला बालोद के चेयरमेन, वाइस चेयरमेन, कोषाध्यक्ष एवं राज्य प्रबंध समिति के सदस्य का निर्वाचन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस निर्वाचन प्रक्रिया के अंतर्गत इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला बालोद के आजीवन सदस्यों के द्वारा प्रबंध समिति के सदस्यों का निर्वाचन किया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला बालोद के सचिव डॉ. सूर्यवंशी ने बताया कि वर्तमान में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला बालोद के कुल 275 आजीवन सदस्य है।

बैठक में श्री राउत ने इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला बालोद द्वारा किए जा रहे विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा की। इसके अंतर्गत उन्होंने इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्यों के टीबी उन्मूलन के कार्य के अंतर्गत निक्षय मित्र के रूप में भागीदारी की भी समीक्षा की। इस कार्य के अंतर्गत उन्होंने निक्षय मित्रों के द्वारा टीबी के मरीजों तक पहुँचाए जाने वाले पौष्टिक भोजन एवं दवाइयां आदि के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने कहा कि टीबी के मरीजों तक समय पर दवाइयां पहुँचाने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग के समीप स्थित गांव को चिह्नित कर वहाँ के युवाओं को दुर्घटना आदि के दौरान प्रभावित लोगों के मदद हेतु प्राथमिक सहायता प्रदान कराने के निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला बालोद के सदस्यता अभियान, रेडक्रॉस द्वारा दवाई दुकानों का संचालन, ब्लड सेंटर एवं एम्बुलेंस आदि के संचालन की भी समीक्षा की। इसके अलावा उन्होंने जिले के शासकीय एवं अशासकीय शालाओं में जुनियर रेडक्रॉस का संचालन, सभी महाविद्यालयों में यूथ रेडक्रॉस का गठन, रेडक्रॉस कार्यालय के लिए पृथक कक्ष एवं स्टाफकी व्यवस्था आदि के संबंध में विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर आभार प्रदर्शन करते हुए कलेक्टर एवं जिला रेडक्रॉस सोसायटी के अध्यक्ष श्री इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी छत्तीसगढ़ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एम के राउत एवं चेयरमेन श्री अशोक अग्रवाल को बालोद जिले में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति प्रदान कर मार्गदर्शन देने के लिए हृदय से धन्यवाद ज्ञापित किया। श्री चन्द्रवाल ने दोनों अधिकारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि उनके निर्देशों का पालन करते हुए इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी जिला बालोद द्वारा बेहतर कार्यों का संपादन किया जाएगा।

बेटियों की सर्वांगीण विकास और सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है - विजय शर्मा

महिला एवं बाल विकास विभाग के "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" कार्यक्रम में कन्या पूजन करने पहुंचे उपमुख्यमंत्री

कवर्धा (समय दर्शन)। महिला एवं बाल विकास विभाग के "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" कार्यक्रम में नवरात्रि पर्व पर कन्या पूजन का भव्य आयोजन किया गया। आयोजन का मुख्य उद्देश्य बेटियों के प्रति सम्मान को बढ़ाने एवं शिक्षा को प्रोत्साहन देना था। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा अपने सपरिवार सम्मिलित होकर कन्याओं का पूजन फूल माला, कुम-कुम चंदन चुनरी श्रृंगार के साथ दीप प्रज्वलित कर कन्या भोज का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने माता स्वरूप कन्याओं के चरण स्पर्श कर आशीर्वाद भी लिया। सभी अतिथियों ने बड़ी संख्या में आए कन्याओं की पूजा अर्चना कर उन्हें स्वयं भोजन परोसा। माँ आदिशक्ति स्वरूपा बालिकाओं का कार्यक्रम में उत्साह एवं हर्ष उल्लास से पूरा कार्यक्रम सजा रहा, कार्यक्रम में अतिथियों ने विभाग के आयोजन को खूब सराहा। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना आज के समय की तत्कालीन जरुरत है। क्योंकि देश एवं समाज में बालिकाओं की रक्षा, शिक्षा और सशक्तिकरण के बिना विकास किसी भी कीमत पर संभव नहीं है। "बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ" योजना बालिकाओं के उत्थान के लिए महत्वपूर्ण है। बेटियों की सर्वांगीण विकास और आत्मसम्मान की सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है। कन्या पूजन एवं कन्या भोज कार्यक्रम में उप-मुख्यमंत्री के साथ उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रश्मि शर्मा, पूर्व विधायक डॉ सियाराम साहू, अनिल ठाकुर, कैलाश चन्द्रवंशी, चंद्रप्रकाश चन्द्रवंशी, सभापति नगर पालिका कवर्धा गोपाल साहू सभी की भागीदारी से कार्यक्रम में अलग ही हर्षोल्लास का माहौल दिख रहा था। कन्या पूजन कार्यक्रम में गोपाल वर्मा कलेक्टर एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने बालिकाओं के प्रति सम्मान व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने आनन्द कुमार तिवारी जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग, महेन्द्र गुप्ता सहायक संचालक शिक्षा विभाग, संजय जायसवाल विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कवर्धा, श्रीमती विवेका हैरिस बाल विकास सेवा परियोजना अधिकारी कवर्धा, बृजेश कुमार सोनी बाल विकास सेवा परियोजना अधिकारी कुण्डा, नमन देशमुख बाल विकास सेवा परियोजना अधिकारी चिल्फी, सत्यनारायण राठौर जिला बाल संरक्षण अधिकारी, सुश्री नीतिका डडसेना, संरक्षण अधिकारी नवा बिहान, श्रीमती सरोज शर्मा, श्रीमती पायल पाण्डेय, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मिशन वात्सल्य एवं सखी वन स्टॉप सेंटर के अधिकारी कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

बरमकेला पुलिस ने दो नकबजनी मामलों का किया पर्दाफाश

दो अपचारी बालकों सहित छः शातिर चोरो के विरुद्ध की गयी कार्यवाही

बरमकेला (समय दर्शन)- थाना बरमकेला के ग्राम लेंधरा निवासी हरिशंकर पटेल के द्वारा दिनांक 09/10/24 को थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि किसी अज्ञात चोर के द्वारा बीती रात को उसके घर के पीछे की दीवार फंद कर कमरे के अंदर रखे दो अलमारी के लॉक को तोड़कर सोने का एक नग हार ,सोने का एक नग माला ,सोने का मंगल सूत्र ,सोने का कान का टॉप्स ,चांदी का एक नग पैरपट्टी ,चांदी की अंगूठी, चार नग 6 नग बिछिया और नकदी रकम 35000 चोरी किया गया है द्य इसीप्रकार दिनांक 13/10/24 को ग्राम कुम्हारी के रामसिंह पटेल के द्वारा अपने सूने मकान से दिनांक 7/10/24 से 10/10/24 के मध्य चांदी के दो गिलास, चांदी की कटोरी, विष्णुजी की मूर्ति, चांदी की दो छोटी मूर्ति, कांसे के दो लोटा, थाली ,एक पीतल की थाली, दो गघरा व पीतल का बाल्टी ,सीसीटीवी का डीवीआर तथा नगदी रकम ?1000 को कोई अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी द्य थाना प्रभारी बरमकेला के द्वारा दोनों प्रकरणों में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध धारा 331(4)335 ( )ढ्ढह्रस् के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया द्यप्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री पुष्कर शर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री कमलेश्वर चंदेल ,उप पुलिस अधीक्षक श्री अविनाश मिश्रा के द्वारा थाना प्रभारी बरमकेला को तत्काल टीम बनाकर चोरी हुए माल एवं चोरों को पकड़ने हेतु निर्देशित किया गया द्यथाना प्रभारी बरमकेला सउनि विजय गोपाल के द्वारा पुलिस का तीन टीम बनाकर संदिग्ध व्यक्तियों से लगातार पूछताछ प्रारम्भ किया गया।

इसी दौरान विक्रम भट्ठ, सरवन भट्ठ निवासी देवारपारा सारंगढ़ व जगबीर देवार निवासी जोगनीपाली थाना सराईपाली से मुखबीर सूचना के आधार पर पूछताछ करने पर विक्रम भट्ठ ,सरवन भट्ठ के द्वारा ग्राम लेंधरा में घटना दिनांक को सूने मकान की दीवार को फंद कर कमरे के दरवाजा को तोड़कर अपने अन्य साथी दीनू वैष्णव निवासी लिमगांव, एक अपचारी साथी के साथ घटना को अंजाम देना तथा कमरे में रखे दो अलमारी के लाक को तोड़कर 1 सोने का हार 1 मंगलसूत्र 1 सोने का माला 1 नग पैर पट्टी चांदी का 4 नग अंगूठी 6 नग बिछिया नगदी रकम ?35000 को चोरी करना बताया द्य आरोपी विक्रम भट्ट से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने ग्राम कुम्हारी के सूने मकान से अपने साथी जगबीर देवार, दीनू वैष्णव एवं दो अन्य अपचारी बालकों के साथ चैनल गेट के कुंडी को काटकर कमरा के ताला को तोड़कर कमरे में रखे चांदी के 2 गिलास, चांदी के कटोरी ,भगवान विष्णु की मूर्ति, चांदी की 2 छोटी मूर्ति, कांसे का 2 लोटा, 2 थाली ,1पीतल की थाली ,2नग गघरा ,पीतल का बाल्टी ,सीसी कैमरा के लगे डीवीआर को चोरी करना स्वीकार किया जिसपर आरोपी विक्रम भट्ठ, सरवन भट्ठ से चोरी किए सोने चांदी के आभूषण ,नकदी रकम ?1000, आरोपी दीनू वैष्णव तथा दूसरे प्रकरण के आरोपी जगबीर देवार से चांदी का 2 नग गिलास, चांदी का कटोरी ,चांदी की मूर्ति विष्णु भगवान की मूर्ति एवं अन्य सामान तथा घटना मे प्रयुक्त 2 मोटर सायकल को जप्त किया गया एवं घटना में शामिल सभी आरोपियों के विरुद्ध विधिवत कार्यवाही करते हुए रिमांड पर भेजा गया।

उक्त कार्यवाही में सउनि विजय गोपाल थाना प्रभारी बरमकेला एवं टीम में शामिल सउनि चित्रांगण चंद्र प्रधान आर. विजय यादव झटक्रांति सिदार आर, दिनेश चौहान कन्हैया चौहान मिनकेतन पटेल बिहारी साहू सूरज सिदार सभी का विशेष योगदान रहा।

खबर-खास

पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण पर कृषक दल बस्तर रवाना

कवर्धा (समय दर्शन)। कृषि विभाग में संचालित केन्द्र प्रवर्तित परंपरागत कृषि विकास योजना अंतर्गत विकासखण्ड बोड़ला के लरबक्की, अमेरा, राली कलस्टर के कृषकों को राज्य के अंदर बस्तर संभाग के जिले (जगदलपुर, नारायणपुर, कोण्डागांव, दंतेवाड़ा) में जिले के 71 कृषकों को 14 से 18 अक्टूबर तक भ्रमण के लिए रवाना किया गया। कृषकों के दल को भ्रमण के लिए मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य रामकुमार भट्ट ने हरी झण्डी दिखाकर शुभकामनानाओं के साथ रवाना किया। कृषि विभाग के उपसंचालक श्री मोहंती ने बताया कि भ्रमण में कृषकों को मूल्यप्रवर्धित उत्पादों का प्रसंस्करण, विपणन एवं नवीन कृषि तकनीकी जानकारी प्रदाय किया जाना है। भ्रमण के दौरान रामकृष्ण मिशन आश्रम, नारायणपुर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र, नारायणपुर कृषक प्रशिक्षण केन्द्र जगदलपुर तथा उन्नतशील एवं प्रगतिशील खेती करने वाले कृषकों के प्रक्षेत्र में भ्रमण एवं परिचर्चा कर उन्नत तकनीकी की जानकारी प्राप्त करेंगे। इस दौरान डिप्टी प्रोजेक्ट डायरेक्टर (आत्मा) सुशील वर्मा, नोडल अधिकारी सारांश शर्मा, कृषि विकास अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारी अमित कुमार श्रीवास्तव, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी एवं अन्य विभागीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

सैमसंग इंडिया ने 'सॉल्व फॉर टुमॉरो 2024' के विजेताओं की घोषणा की

भिलाई। सैमसंग इंडिया ने अपने प्रमुख नेशनल एजुकेशन और इनोवेशन कॉम्पीटिशन ''सॉल्व फॅर टुमॉरो'' 2024 के तीसरे संस्करण की विजेता टीमों, इको टेक इनोवेटर और मेटल की घोषणा कर दी है। गोलाघाट, असम की इको टेक इनोवेटर टीम को स्कूल ट्रैक में कम्युनिटी चैम्पियन घोषित किया गया है, जबकि उडिपी, कर्नाटक की मेटल टीम ने यूथ ट्रैक में एनवायरनमेंट चैम्पियन का खिताब जीता है। इस प्रतियोगिता ने बड़े भारतीय शहरों से अलग दूरदराज के इलाकों तक प्रोग्राम की पहुंच को दिखाया है। इको टेक इनोवेटर ने गैर-संदूषित पीने के पानी तक समान पहुंच बनाने के लिए आइडिया विकसित किया, और इसे प्रोटोटाइप को आगे बढ़ाने के लिए 25 लाख रुपये का सीड अनुदान दिया गया है। मेटल ने भूमिगत जल से आर्सेनिक को दूर करने के लिए टेक्नोलॉजी विकसित की, और इसे आईआईटी दिल्ली में इनक्यूबेशन के लिए 50 लाख रुपये का अनुदान मिला है। जेबी पार्क, प्रेसिडेंट एवं सीईओ, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया और शोम्बी शार्प, यूनाइटेड नेशंस रेजिडेंट को-ऑर्डिनेटर, भारत ने इन टीमों को सर्टिफिक्रेट और ट्रॉफ्यिां प्रदान कीं।

।। न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग, जिला दुर्ग ।।

//उद्घोषणा//

रा0प्र0क0 202410103300006/ अ-6-अ/वर्ष 2023-24

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि रा.प्र.क्रं. 202410103300006/ अ-6-अ वर्ष 2023-24 आवेदक नारायण पिता फकीरा निवासी ग्राम भोथली तहसील व जिला दुर्ग छ.ग के द्वारा मौजा ग्राम भोथली प.ह.न. 27 रा.नि.म. अंजोरा तहसील व जिला दुर्ग छ.ग.मे स्थित भूमि जिसका खसरा नं. 504 रकबा 0.03हे भूमि राजस्व अभिलेख में ललकु आ. केशव साहू के नाम पर दर्ज है। उक्त भूमि आवेदक के पिता फकीरा आ. पिता बिहारी साहू रजिस्ट्रर्ड बैनामा दिनांक 21.03.1994 को क्रय किया गया है जिसका ग्रंथ कमाक 9585 दस्तावेज क्रमाक 8197 है उक्त भूमि का आवेदक के पिता फकीरा आ. पिता बिहारी साहू द्वारा प्रमाणिकरण पूर्व मे कराया गया जिसका संसोधन पंजी दिनांक 25.04.1994 आदेश दिनांक 06.06.1994 है। जिसके आधार पर आवेदक के पिता का नाम राजस्व अभिलेख मे दर्ज किया गया है। पिता के नाम पर उक्त भूमि का ऋण पुस्तिका जारी किया गया है, आवेदक की पिता की मृत्यु हो जाने पर फौती नामांतरण कर विधिक वारिसान नारायण, शितलाबाई, रूखमणी बाई सभी पिता फकीरा के नाम पर दर्ज हुआ वर्तमान राजस्व अभिलेख मे उक्त ख.न. 504 रकबा 0.03 हे. भूमि भूईया साफ्टवेयर मे आवेदक एवं अन्य सहखातेदारो के नाम पर दर्ज नही है। जबकी उक्त भूमि पर आवेदक एवं सहखातेदार काबिजकास्त चले आ रहे है। ख.न. 504 रकबा 0.03 हे. भूमि ऋण पुस्तिका एवं रजिस्टी बैनामा मे दर्ज अनुसार आवेदक नारायण, शितलाबाई, रूखमणी बाई सभी पिता फकीरा का नाम दर्ज किये जाने हेतु बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत दिनांक 18/10/2024 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते हैं। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनांक 04/10/2024 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्र के साथ जारी किया गया ।

जारी दिनांक- 04/10/2024

सुनवाई दिनांक- 18/10/2024

मुहर

अतिरिक्त तहसीलदार
दुर्ग

कोसमखुंटा के ग्रामीणों को जल जीवन मिशन का मिल रहा लाभ

घर-घर तक पहुंचा नल-जल कनेक्शन

गरियाबंद (समय दर्शन)। लोगों के घरों तक पीने के पानी पहुंचाने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार द्वारा जल जीवन मिशन का संचालन किया जा रहा है।इसके तहत घर-घर तक नल कनेक्शन पहुंचाकर पीने का पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।इससे लोगों को सहुलियत हो रही है।साथ ही घर में ही पानी की सुविधा मिल रही है।जल जीवन मिशन के तहत गरियाबंद जिले में भी नल जल कनेक्शन देने के लिए गंभीरतापूर्वक कार्य किया जा रहा है।कलेक्टर दीपक अग्रवाल के निर्देशानुसार मिशन के तहत कार्यो को तेजी से पूर्ण करते हुए लोगों को पानी की सुविधाओं से लाभान्वित किया जा रहा है।इसी कड़ी में जल जीवन मिशन के तहत विकासखण्ड फिंगेश्वर के ग्राम पंचायत कोसमखुंटा में 380 घरों को शुद्ध पेयजल मिल रहा है।

ग्राम की भौगोलिक स्थिति को देखते हुय जल जीवन मिशन के अंतर्गत रेट्रोफिटिंग नल जल योजना अपनाया गया है।जिसमें एक पुरानी पानी की टंकी एवं एक नवीन पानी टंकी का निर्माण कर लोगों के घरों तक पानी पहुंचाया जा रहा है।जिससे सारे ग्रामवासियों को घर पर ही स्वच्छ एवं उपयोगी पेयजल प्रतिदिन प्राप्त हो रहा है। ग्रामवासी जो पहले हैण्डपंप और सामुदायिक नल पर निर्भर हुआ करते थे अब अपने घरों में नल पाकर उत्साहित है।घर तक नल कनेक्शन देने के लिए ग्रामीणजन शासन का आभार भी जता रहे हैं। ग्रामवासी जल संरक्षण पर भी संवेदनशील हैं।गांव में घरों तक नल कनेक्शन पहुंचने की खुशी में ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों के साथ हर घर जल उत्सव उत्साह के साथ मनाया।इस दौरान ग्राम के जन प्रतिनिधि अनुसुईया ध्रुव,जाकिर भाई,सचिव कोमल साहू,ग्रामवासी सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग जिला समन्वयक मौजूद रहे।

उड़िया कला हाईस्कूल में साइबर जन जागरूकता पखवाड़ा मनाया

कवर्धा (समय दर्शन)। सहसपुर लोहारा थाना के अंतर्गत हाईस्कूल उड़िया कला में आज साइबर जन जागरूकता पखवाड़ा मनाया गया। स्कूल में उपस्थित शिक्षक/ शिक्षिका एवं छात्र/ छात्राओं को साइबर अपराध एवं साइबर ठगी से बचने के उपाय भी बताए गए।

पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल ने बताया कि 14 अक्टूबर 24 को थाना प्रभारी एवं थाना स्टाफ द्वारा हाईस्कूल उड़िया कला में साइबर जन जागरूकता पखवाड़ा मनाया गया जिसमें स्कूली छात्र एवं छात्राओं व समस्त शिक्षकगण उपस्थित हुए। इन सभी लोगों को साईबर अपराध एवं साइबर ठगी होने से बचने के बारे में बताया गया। जैसे- लोन देने के नाम पर ठगी, आनलाईन नौकरी लगाने के नाम पर ठगी, टावर लगाने के नाम पर, बैंक के अधिकारी बनकर ठगी, फर्जी लाटरी लगने का झांसा देकर ठगी, साइबर स्टकिंग, हाउस अरेस्ट, सैक्शटार्सन, व्हाटसप हैक, फैसबुक, इंस्टाग्राम हैक करके एवं फर्जी एप्लीकेश्न इत्यादि के बारे मे जानकारी दिया गया। वहीं सतर्कता पुर्वक कम्पयूटर एवं मोबाइल का उपयोग करने कहा गया। सावधान रहे सुरक्षित रहे और किसी भी प्रकार की ठगी होने पर तत्काल 1930 साइबर हेल्प लाइन में सम्पर्क करने बताया गया। स्कूल में उपस्थित सभी लोगों को साइबर अपराध सबंधी पाम्पलेट वितरण किया गया।

नवपदस्थ पुलिस कप्तान ने किया पदभार ग्रहण

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के नव पदस्थ पुलिस अधीक्षक निखिल अशोक कुमार राखेचा ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय में अपना कार्यभार सम्हालते ही थाना छुरा,फिंगेश्वर,राजिम का किया निरीक्षण कर समस्त थाना प्रभारी को लंबित अपराधों के निकाल पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देश दिए। ज्ञात हो की निखिल अशोक कुमार राखेचा (द्बक्क्र) के द्वारा गरियाबंद पुलिस कप्तान के रूप में लिया पदभार ग्रहण किया गया।पदभार के दौरान थाना छुरा स्थित नवनिर्मित पुलिस अफसर मेस का किया उद्घाटन साथ ही जिले के समस्त राजपत्रित अधिकारी एवम् थाना प्रभारियों का बैठक लेकर महिला संबंधी अपराध, साइबर फ्रॉड,चिट फंड,शरीर संबंधी अपराध,अवैध गांजा, शराब,जुआ,सट्टा पर विशेष निगरानी रखते हुए कार्रवाई करने हेतु निर्देश दिए।इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ह्रड्ड×ड्डद्य ह्रक्क्र) धीरेंद्र पटेल,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जितेंद्र चंद्राकर,अनुविभागीय अधिकारी गरियाबंद निशा सिन्हा,अनुविभागीय अधिकारी मैनपुर बाजी लाल,लाइन छ्वस्क्क गोपाल वैश्य,रक्षित निरीक्षक सनत कुमार ठाकुर एवं समस्त थाना प्रभारी उपस्थित थे।

समर्थन मूल्य पर धान एवं मक्का की खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन 31 अक्टूबर तक

गरियाबंद (समय दर्शन)। खरीफ विपणन 2024-25 में समर्थन मूल्य पर धान और मक्का की खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन एक जुलाई से चल रहा है,जो 31 अक्टूबर तक चलेगा।पंजीयन के लिए सभी किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी,सहकारी समिति प्रबंधक से संपर्क कर नया पंजीयन करा सकते हैं।खाद्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार खरीफ विपणन 2024-25 में नया पंजीयन,फसल,रकबा संशोधन एवं कैरी फारवर्ड हेतु 1 जुलाई 2024 से किसानों का पंजीयन प्रारंभ किया गया है।सभी किसान अपने क्षेत्र के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी,समिति प्रबंधक से संपर्क कर नया पंजीयन,फसल,रकबा संशोधन एवं कैरी फारवर्ड शीघ्र पूर्ण करा सकते हैं एवं वारिसान पंजीयन हेतु तहसील कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं, ताकि धान विक्रय करने वाले किसान को कृषक उन्नति योजना का लाभ प्राप्त हो सके।कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदेश के किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से लाभान्वित करने की दृष्टि से कृषक पंजीयन की प्रक्रिया के सरलीकरण हेतु एकीकृत किसान पोर्टल विकसित किया गया है।एकीकृत किसान पोर्टल के नवीन पंजीयन तथा पंजीकृत फसल और रकबे में संशोधन की कार्यवाही 31 अक्टूबर तक सहकारी समिति के माध्यम से पंजीयन की जाएगी।एकीकृत किसान पोर्टल में धान एवं मक्का उपार्जन योजना को भी सम्मिलित किया गया है।धान एवं मक्का कृषक को समर्थन मूल्य पर विक्रय करने हेतु एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। विगत खरीफ वर्ष 2023-24 में पंजीकृत किसानों को आगामी खरीफविपणन वर्ष 2024-25 के लिए पंजीकृत माना जाए एवं इसके लिए विगत खरीफ वर्ष 2023-24 में पंजीकृत किसानों की दर्ज भूमि एवं धान के रकबे एवं खसरे को राजस्व विभाग के माध्यम से अद्यतन करा लिया जाए।यह कार्य एकीकृत किसान पंजीयन पोर्टल के माध्यम से की जाएगी।

खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में आधार आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली के लिए किसान द्वारा धान विक्रय के समय धान खरीदी केन्द्र में स्वयं उपस्थित होकर या उनके द्वारा नामांकित नामिनी के द्वारा उपस्थित होकर बायोमेट्रिक आधारित खरीद प्रणाली के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान का विक्रय किया जा सकता है। इसके लिए किसान पंजीयन हेतु एकीकृत कृषक पंजीयन पोर्टल पर किसान का पंजीयन निर्धारित अवधि के दौरान किसान का एवं उसके एक नामिनी का आधार नंबर लिया जाएगा। नामिनी के रूप में किसान के परिवार के नामित सदस्य में माता-पिता,पति-पत्नी,पुत्र-पुत्री, दामाद पुत्रवधू,सगा भाई-बहन एवं अन्य करीबी रिश्तेदार को मान्य किया जाएगा।किसान यदि गत वर्ष पंजीकृत नॉमिनी में परिवर्तन करना चाहता है,तो समिति स्तर पर संशोधन की कार्यवाही की जाएगी। खरीफ विपणन वर्ष 2024-25 में नवीन पंजीयन कराने वाले किसान से नॉमिनी की जानकारी एकत्र किया जाएगा। हिस्सेदार, बटाईदार तथा अधिया रेगहा के तहत फसल उगाने वाले कृषकों के लिए खेत का मालिकाना हक रखने वाले कृषक स्वंय पंजीयन करा सकेगा अथवा संबंधित कृषक का नॉमिनी के तौर पर पंजीयन करा सकेगा।प्रत्येक खरीदी केन्द्रों में बायोमेट्रिक व्यवस्था के सुचारू एवं व्यवस्थित संचालन हेतु एक स्थायी खरीदी केन्द्र प्रभारी नामांकित किया जाएग।खरीदी केंद्र प्रभारी का भी आधार नंबर एकत्रित किया जाएगा।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अर्बन क्रूजर हाइराडर का 'फेस्टिवल लिमिटेड एडिशन' पेश किया

बैंगलोर: टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने अर्बन क्रूजर हाइराडर के 'फेस्टिवल लिमिटेड एडिशन' की शुरुआत की घोषणा की। इसमें एक्सक्लूसिव टोयोटा जे नुइन एक्सेसरीज (टीजीए) पैकेज शामिल है। अर्बन क्रूजर हाइराडर लाइन-अप में यह नवीनतम उत्पाद 13 विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए टीजीए के साथ आता है, जो गतिशील और प्रीमियम ड्राइविंग अनुभव को और बेहतर बनाता है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस के वाइस प्रेसिडेंट श्री सबरी मनोहर ने इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए कहा 2022 में लॉन्च होने के बाद से ही अर्बन क्रूजर हाइडर टिकाऊ गतिशीलता प्रदान करने के लिए टीकेएम की प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा है और इसने उच्च ग्राहक संतुष्टि के साथ अपार लोकप्रियता हासिल की है।बढ़ती मांग और सकारात्मक स्वागत ने हमें अपनी पेशकशों को लगातार बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया है।हमारे निरंतर ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण ने हमें अपने ग्राहकों की विविध आवश्यकताओं को समझकर और उत्पादों और सेवाओं की एक श्रृंखला पेश करके सबसे आगे रहने के लिए प्रेरित किया है।

पेंशनर संघ अध्यक्ष की प्रथम पुण्यतिथि सियान सेवा सदन में मनाया

गरियाबंद (समय दर्शन)। स्वर्गीय कविनाथ सोनवानी सेवानिवृत्त एवं पेंशनर संघ अध्यक्ष की प्रथम पुण्यतिथि गरियाबंद के ग्राम भिलाई स्थित सियान सेवा सदन में मनाया गया। जहां उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित की गई।स्वर्गीय कविनाथ सोनवानी के प्रथम पुण्यतिथि पर उनके सुपुत्र राधेश्याम सोनवानी आंचलिक पत्रकार संघ अध्यक्ष द्वारा उनके स्मृति में सियान सेवा सदन को गैस चूल्हा भेंट स्वरूप प्रदान किया गया। इसके साथ ही गरियाबंद जिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरण भी किया गया।इस मौके पर भाजपा जिला महामंत्री अनिल चंद्राकर,अनूप भोंसले,पत्रकार गोरेलाल सिन्हा,राकेश साहू,फारूक चौधरी,धनराज विश्वकर्मा सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर
जोन क्रमांक- 8

मैनुवल पद्धति से द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 34/ लो.क.वि./न.पा.नि./जोन क्र.-8/2024-25 — रायपुर दिनांक 14/10/2024

नगर पालिक निगम रायपुर जोन क्रमांक 8 अंतर्गत निम्नांकित प्रस्तावित कार्यों के लिए सक्षम श्रेणी में एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से आयटम दर/पी.डब्लू.डी रोड/भवन एस.ओ.आर 2015 लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग 2020 आज दिनांक तक संशोधित दर पर त्री लिफाफा पद्धति से स्पीड पोस्ट/रजिस्टर्ड डाक निविदाएं आमंत्रि की जाती है।

1. निविदा प्रपत्र हेतु आवश्यक निर्धारित दस्तावेज सहित आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 18/10/2024 दिन शुक्रवार सायं 5:00 बजे तक अपूर्ण दस्तावेज का आवेदन स्वीकार नहीं किया जावेगा।
2. दस्तावेज निरिक्षण उपरांत निविदा प्रपत्र जारी करने की अंतिम तिथि 22/10/2024 दिन मंगलवार।
3. जोन आयुक्त, कार्यालय नगर पालिक निगम रायपुर जोन किमानिधि मोहबा बाजार रायपुर (छ.ग.) में त्री लिफाफा पद्धति से स्पीड पोस्ट / पंजीकृत डाक से निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 29/10/2024 दिन मंगलवार सायं 5:30 तक।
4. प्राप्त समस्त पात्र निविदाएं दिनांक 30/10/2024 दिन बुधवार को प्रातः 12:00 बजे उपस्थित निविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जावेगी। अपरिहार्य कारणों निर्धारित तिथि पर तिथि निर्धारित की जावेगी कार्य का विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.	कार्य का नाम	आगणित राशि लाख में	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य	समयावधि	एस.ओ. आर.	फार्म का प्रकार
1	संत रविदास वार्ड क्र.-70 अंतर्गत स्थित सुलभ शौचालय में पेंटिंग व अन्य मरम्मत कार्य। (मरम्मत संधारण मद)	2.00	2000.00	300.00	02 माह	P.W.D. S.O.R 2015	A

निविदा की शर्तें:-

1. निविदा के दस्तावेज बंद लिफाफा में रजिस्टर्ड पोस्ट/स्पीड पोस्ट से प्राप्त किया जायेगा। 2. ई. पंजीयन प्रमाणपत्र (जीवित), 3. बैंक साल्वेंशी, (निविदा आमंत्रण से एक वर्ष तक प्रभावशील होना चाहिए)। 4. GST प्रमाण पत्र एवं GST Retrun (विगत 3 माह) 5. आयकर रिटर्न (विगत 3 वर्ष) तथा 100 रू का स्टाम्प पेपर निविदा जारी होने की तिथि के पश्चात का शपथ पत्र होना अनिवार्य है। 6. निविदा जारी होने के पश्चात से प्रत्येक कार्य के लिए पृथक-पृथक एफ.डी.आर. मूल एवं छायाप्रति प्रस्तुत होना आवश्यक है। तथा जो एफ.डी.आर. जीवित होना आवश्यक है। 7. त्री लिफाफा पद्धति में निविदा प्राप्त नहीं होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा।
2. टीप: अन्य निविदा की शर्ते एवं जानकारियां कार्यालयीन समय व दिवस में कार्यालय जोन क्रं. 8 में अवलोकन किया जा सकता है।

घरों से निकलने वाले गीला और सूखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

जोन आयुक्त
जोन क्रमांक-08 नगर पालिक निगम, रायपुर

बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र में 6 निर्माण कार्य के लिए 35 लाख रूपये स्वीकृत

गरियाबंद। बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव की अनुशंसा पर कलेक्टर दीपक अग्रवाल द्वारा विधायक निधी से 6 निर्माण कार्य के लिए 35 लाख रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई है। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार जनपद पंचायत गरियाबंद अंतर्गत ग्राम पंचायत मौहाभाठा में कोसराम घर से खगेश भुंजिया घर तक सीसी रोड़ निर्माण के लिए 5 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी प्रकार ग्राम पंचायत पीपरछेड़ी में सामुदायिक भवन निर्माण के लिए 5 लाख रूपये,ग्राम पंचायत मदनपुर में बाजार में वर्क शेड निर्माण के लिए 10 लाख रूपये,ग्राम पंचायत लोहारी में चमार राय घर से काम घर तक सीसी रोड निर्माण के लिए 5 लाख रूपये,ग्राम बारूला में प्रदीप यादव घर से शिव मंदिर तक सीसी रोड निर्माण के लिए 5 लाख रूपये और जनपद पंचायत देवभोग अंतर्गत ग्राम पंचायत माड़ागांव में छोटी गुडी से बुडी मुडिया घर तक सीसी रोड निर्माण के लिए 5 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) दुर्ग, जिला दुर्ग

रा.प्र.क्र. / ऑनलाईन रजि.नं.	पक्षकार का नाम
202410100400146/ अ-2/सन् 2024-25	योगेश

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक योगेश अन्य 01 आ./पति बलराम निवासी- पचरी पारा दुर्ग द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन / पुर्ननिर्धारण हेतु छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2) (5) के तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन है ।

अनुसूची

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति,

ग्राम/प.ह.नं. जहां आवेदित भूमि स्थित है	खसरा नम्बर	रकबा (क्षेत्रफल)		प्रस्तावित प्रयोजन
		हेक्टेयर	वर्गफीट	
ग्राम- कसारीडीह प.ह.नं.- 40 तहसील व जिला दुर्ग	724/22	0.0110	1175	आवासीय प्रयोजन

संस्था, शासकीय विभाग सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर दो प्रतियों में प्रस्तुत कर सकते हैं ।नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति- दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 08/10/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
दुर्ग, जिला दुर्ग

संक्षिप्त-खबर

सावित्रीपुर स्कूल में मौलश्री वृक्ष लगाकर रतन टाटा को दी गयी श्रद्धांजलि

बसना (समय दर्शन)। बसनाअंचल के शास. उ. मा. वि. सावित्रीपुर के शिक्षकों एवं छात्रों ने मशहूर उद्योगपति स्वर्गीय रतन टाटा के स्मरण में स्कूल परिसर में मौलश्री लगाकर श्रद्धांजलि दिये द्य इस मौके पर संस्था के प्राचार्य प्रसाद सिदार जी ने कहा देश की आर्थिक ढांचा को सुदृढ़ करने में रतन टाटा जी का योगदान अतुलनीय है द्य उन्होंने अपनी दूरदर्शी सोच और व्यापार व्यवसाय से देश-विदेश में करोड़ों लोगों को रोजगार दिया द्य उनका संपूर्ण जीवन देश और समाज को समर्पित रहा है द्य उन्होंने करोड़ों रुपये समाज को देकर दानशीलता की मिसाल पेश की द्य उनका जीवन युवाओं और लोगों के लिए प्रेरणादायक है। पौधारोपण में संस्था के वरिष्ठ व्याख्याता निर्मल कुमार साहू, श्रीमती सविता जलक्षत्री, डी के भारती, एस सिंह, टी आर यादव, बी डी साहू, यू के भोई, पी आर कल्ला की उपस्थिति एवं सहभागिता रही।

रायपुर रास गरबा का समापन

रायपुर (समय दर्शन)। अंबुजा मॉल रायपुर में मित्रमंडली द्वारा आयोजित रायपुर रास गरबा के समापन समारोह में अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश कोषाध्यक्ष नंदन जैन सम्मिलित हुये । आयोजन के लिए आयोजक समिति के सदस्य महेश सिंह राजपूत, धीरज बावनकर, राहुल कुकरेजा, दीपेश कृपाल एवं समस्त मित्रों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हम सभी धर्मप्रेमियों के लिए ऐसे आयोजनों की निरंतरता बनी रहे, यही अपेक्षा है।

रामचंडी दिवस के अवसर पर व्यापार मेला का आयोजन

सरायपाली (समय दर्शन)। रामचंडी दिवस के शुभ अवसर पर भव्य व्यापार मेला का आयोजन गढ़फुलजर स्थित रामचंडी मंदिर परिसर में रखा गया है जिसका उद्घाटन 15 अक्टूबर को दोपहर 02 बजे किया जायेगा एवं समापन रामचंडी दिवस को 16 अक्टूबर को किया जायेगा। जिसमें विभिन्न क्षेत्र के 50 से अधिक अलग अलग व्यवसाय के व्यापारी स्टॉल लगाए जायेंगे। मेले में आम जनों को विशेष छूट प्रदान की जायेगी। मेले में व्यावसाय संबंधी एवं शासन द्वारा चलाई जा रही स्वरोजगार मूलक योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। व्यापार मेला में आने वाले आम जनों के लिए विशेष पुरस्कार रखा गया है जिसमें पुरस्कार के रूप में एलईडी टीव्ही, होम थिएटर, मिक्सर ग्राण्डर, सीलिंग फैन, वाटर बॉटल, डिनर सेट आदि प्रदान किये जायेंगे। भाग्यशाली वितेताओं को नि:शुल्क प्रदान किया जायेगा। व्यापारी प्रकोष्ठ बाबा बिसाशहे कुल कोलता सामाज संभाग रायपुर द्वारा अधिक से अधिक लोगों को व्यापार मेला प्रांगण में आकर मेले का लाभ लेने की अपील की गई।

दुर्ग शहर में फिर हत्या की वारदात, पुलिस महकमे में हड़कंप

ओव्हरब्रिज के नीचे युवक की पत्थर से हमला कर हत्या

दुर्ग (समय दर्शन)। दुर्ग शहर मे फ़िर से हत्या की वारदात सामने आई है। यह वारदात मोहननगर पुलिस थानांतर्गत धमधानाका ओव्हरब्रिज के नीचे की है। जहां रविवार की देर रात एक युवक पर पत्थर से हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया गया। मृत युवक की पहचान योगेश वर्मा 33वर्ष सिकोला बस्ती निवासी के रुप में की गई है। हत्या की वजह शराब के नशे में मृतक व आरोपी के बीच हुए तात्कालिक विवाद को बताया गया है। दोनो के बीच धमधानाका ओव्हरब्रिज के नीचे स्थित दुकान के सामने सोने को लेकर रात में विवाद हुआ था। यह विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने आवेश में आकर योगेश वर्मा पर पत्थर से हमला कर दिया। हमले में गंभीर चोटें योगेश वर्मा की दर्दनाक मौत का कारण बनी। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिससे पुछताछ जारी है। घटना के संबंध में एएसपी शहर अभिषेक झा ने बताया कि वारदात की खबर पुलिस को रात करीब 2.40 बजे लगी। फ़ौरन पुलिस बल मौके पर पहुंची, तो युवक मृत मिला। हरकत में आई पुलिस द्वारा तत्काल आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होने बताया कि हत्या के पीछे पुरानी रंजिश जैसी कोई बातें सामने नहीं आई है। मृतक व आरोपी के बीच तात्कालिक विवाद ही हत्या का कारण बना है।

राज्य स्तरीय योगा स्पोर्ट्स में भरत को मिला सिल्वर मैडल

महासमुंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ योगासन स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा 5वीं छत्तीसगढ़ राज्य स्तरीय सब जूनियर, जूनियर बालक एवं बालिका योगासन स्पोर्ट्स प्रतियोगिता 2024-25 का आयोजन 9 से 11 अक्टूबर तक मनसा कॉलेज ऑफएजुकेशन कोहका रोड कुरूद, भिलाई जिला दुर्ग में आयोजित किया गया।

जिसमें जिले से 5 खिलाड़ी शामिल हुए। महासमुंद जिले के खिलाड़ियों में पाखी साहू झारा, झरना कुर्रे खल्लारी, यश कुमार कुर्रे खल्लारी, भामिनी साहू, भरत साहू गांजर शामिल हुए। टीम के मैनेजर डॉ. चमन साहू, प्रशिक्षक देवेंद्र दीवान, महिला प्रशिक्षक रेणुका दीप शामिल हुए। भरत साहू ने जूनियर प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करते हुए ट्रेडिशनल इवेंट में सिल्वर मेडल जीता। जिसके आधार पर राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ हैं। राष्ट्रीय योगासन स्पोर्ट्स प्रतियोगिता का आयोजन गुवाहाटी असम में 11 से 14 नवंबर तक आयोजित किया जाएगा। पदक जीतने पर खेल अधिकारी, खेल संघ, खिलाड़ियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए जिले में गर्मजोशी से स्वागत किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक जीतने, राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन होने पर जिला पंचायत उपाध्यक्ष व अध्यक्ष जिला योगासन संघ लक्ष्मण पटेल, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद मनोज धृतलहरे, सचिव योगा संघ गणेश राम कोसरे, कोषाध्यक्ष सेवन दास मानिकपुरी, सहसचिव तोरण यादव, प्रशिक्षक सत्यनारायण दुर्गा, भागवत साहू, चित्रा खटकर, मन्नू निषाद, टीकम साहू, दिलहरण प्रसाद बंजारे व्याख्याता, आनंद लहरे प्रधान आरक्षक यातायात पुलिस व खिलाड़ियों ने बधाई दीं।

सेलूद में गायत्री महायज्ञ का शुभारंभ कलश स्थापना के साथ शुरू

- सेलूद की पवित्र धरती धार्मिक अनुष्ठान के माध्यम से इतिहास रचने वाली है - खेमिन साहू सरपंच

सेलूद/समय दर्शन। गायत्री महायज्ञ की शुरुवात आज कलश स्थापना के माध्यम से शुरुवात हो गयी द्य सर्वप्रथम हरिद्वार गायत्री शक्ति पीठ से आये कलश का पूजन किया गया उसके बाद कलश को सम्मान के साथ गाजा बाजा के साथ मंगलगीत के माध्यम से स्वागत करते हुए लाया गया द्य तत्श्चात कलश की महिमा बताई गई और अशोक सिंग ने संदेश दिया गया कि ये कोई मामूली कलश नही है सर्वप्रथम मंत्र आह्वान के साथ इसकी स्थापना किया गया और इसे अपने घरों में पूजा स्थल पर रखकर रोज परिवार के लिए भोजन बनाते वक्त एक मुट्ठी अनपूर्णा माता को भगवान को भोग स्वरूप कलश में डालना है द्य उसके बाद इसी कलश को 2 जनवरी को सिर पर धारण करके शोभायात्रा में जाना है द्य 3 जनवरी से 5 जनवरी तक शक्ति संवर्धन 24 कुंडीय महायज्ञ, विराट महिला सम्मेलन आयोजित किया गया है द्य जिसमे आसपास के गावो के पच्चीस हजार भक्तों का भी आगमन होगा द्य सभी माता बहनों को सिर पर कलश धारण करके संकल्पित कराया गया द्य

श्रीमति खेमिन साहू सरपंच ने सभी माता बहनों को आह्वान करते हुए कहा कि हम सेलूद वासी सौभाग्यशाली है जो इस पुनीत कार्य के हमे ईश्वर ने चुना द्य तन, मन, धन समर्पित करके गायत्री महायज्ञ को विशाल और सफ्ल बनाना है द्य सेलूद ग्राम के कोई परिवार इस अनुष्ठान से अछूता न रह जाये इसके लिए हम घर घर जाकर प्रेरित करें और सबको जोड़े द्य गायत्री माता ने सेलूद गांव में अपना आशीर्वाद प्रदान करने के लिए ही चुना है इसलिए हम कितना ही व्यस्त क्यो न रहे सूक्ष्म रूप में भी अपनी सेवा देते रहे द्य रमेश देवांगन ने कहा कि जिस प्रकार से हम सबने मिलकर 22 जनवरी 2024 को भगवान राम लला के अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के पूर्व प्रभातफेरी करके धार्मिक अनुष्ठान में अपनी सहभागिता प्रदान किये थे उसी प्रकार से गायत्री माता के 24 कुंडीय महायज्ञ को सफ्ल बनाने और धार्मिक कार्य मे पूरे गांव को जोड़ने के लिए इकतीस दिन तक प्रभातफेरी करेंगे।

उक्त अवसर पर श्रीमति खेमिन साहू सरपंच सेलूद, अशोक सिंह राजपूत समन्वयक गायत्री शक्ति पीठ आमालोरी, खेमलाल साहू, रमेश देवांगन, विकास बारले, सुभद्रा साहू, सुधा देशमुख, ललिता वर्मा, नीलू गोस्वामी, सत्यभामा बंछोर, हेमलता वर्मा, लक्ष्मी बंछोर, कुमारी सेन, कामिनी साहू, रोशनी साहू, सुनीता साहू, ममता वर्मा, अनिता देवांगन, आशा वर्मा, अरुणा साहू, रूपा साहू, ममता बंछोर, उर्वशी बंछोर, पुष्पा वर्मा, योगेश्वरी साहू, ललिता बनपेला, पीताम्बरी साहू, रंजना सोनी, सरस्वती सोनी, मिथलेश बाई, शालिनी बघेल, पुष्पा बंछोर, भारती साहू, कल्याणी वर्मा, लक्ष्मी बंछोर, अमृत यादव, अनिता साहू, लीला सिंह, गंगोत्री बंछोर, देवसिर साहू, निर्मला साहू, रामसिंग पठारी, ओमकारनाथ साहू, घनश्याम पटेल, मनोज साहू, सियाराम चन्द्राकर, कृष्णा साहू, नेतराम श्रीवास, शिवरानी, रूपमती साहू सहित ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

नगर निगम के टेंडर प्रक्रिया में हो रहे भ्रष्टाचार की कलेक्टर से शिकायत

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर निगम दुर्ग में विभिन्न कार्यों हेतु निविदा सूचना जारी किया गया था जिसके लिए सैकड़ों आवेदन निगम कार्यालय में आए, लेकिन निगम के अधिकारियों द्वारा अपरिहार्य कारण बताते हुए निविदा पत्र प्राप्ति हेतु रसीद काटने की तिथि बदल दी गई सरकार के एक पंजीकृत ठेकदार ने इस विषय में सीधे कलेक्टर को शिकायत करते हुए कहा कि निगम के कार्यपालन अभियंता श्री गोस्वामी सिर्फ़ अपने द्वारा तय ठेकेदारों को हो निविदा पत्र प्राप्त करने हेतु रसीद देने की बात कहते हुए बाकी ठेकदारों को अगले निविदा में आने की सलाह दी है इस विषय में जब ठेकदार ने निगम कमिश्नर श्री चंद्राकर से बात करी तो उन्होंने इस विषय पर कार्यपालन अभियंता श्री गोस्वामी से बात करने कहा गया, ठेकदार ने अपने शिकायत में कहा है कि टेंडर प्रक्रिया में किसे काम देना है और किस काम नहीं देना है निगम के कार्यपालन अभियंता श्री गोस्वामी द्वारा तय किया जा रहा है और आयुक्त महोदय इस विषय में चुप्पी साधे हुए है और ठेकदारों को लिखित में शिकायत करने सलाह दे रहे है और दुर्ग नगर निगम के महापौर खुद को इस विषय में असहाय बता रहे है ठेकदार ने अपने शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि उक्त अधिकारी टेंडर प्रक्रिया में प्रतिस्पर्धा न करवा कर सरकार को सीधे तौर पर आर्थिक हानि पहुंचा रहा है और अपने पसंदीदा ठेकदारों को लाभ पहुंचा कर स्वयं भी आर्थिक लाभ हेतु व्यापक भ्रष्टाचार कर रहा है जिससे सरकार को लाखों की हानि हो रही है ठेकदार ने कलेक्टर को दिए गए शिकायत में उक्त निविदा को रद्द करते हुए भ्रष्टाचार की जांच की मांगे की है और उक्त शिकायत की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव एवं नगरीय निकाय मंत्री सहित प्रभारी मंत्री को भेजी है।

साप्ताहिक बाजारों एवं दुर्गा पंडालों में चलाया गया साइबर जन जागरूकता

- बसना, पिथौरा सहित साँकरा व भंवरपुर चौकी व थाना क्षेत्र में चलया गयासाइबर जागरूकता अभियान

बसना (समय दर्शन)। साइबर फ्रॉड संबंधी जानकारी, साइबर फ्रॉड के तरीके फ्रॉड से बचने के उपाय, साइबर फ्रॉड होने पर की जाने वाली कार्यवाही, इत्यादि के संबंध में पोस्टर, पेंपलेट के माध्यम से किया जा रहा जागरूक। महासमुन्द जिले के पिथौरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस की टीम के द्वारा दुर्गा पंडालों एवम सांस्कृतिक कार्यक्रमों, गरबा पंडाल में सायबर फ्रॉड से संबंधी जानकारी ऑनलाईन खरीदारी, क्रेडिट/डेबिट कार्ड धोखाधडी, फर्जी कस्टमर केयर एवं टोल फ्री नम्बर तथा सोशल मीडिया फेसबुक, इंस्टाग्राम, वालअप आदि से होने वाले सायबर फ्रॉड संबंधी जानकारी देकर जागरूक करने हेतु ढ विभिन्न स्कूल कॉलेज, सप्ताहिक बाजारों, दुर्गा पंडालों, गरवा मैदान, सांस्कृतिक कार्यक्रम में दिनांक 05.10.2024 से 19.10.2024 तक सायबर जन जागरूकता पखवाडा अभियान का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

पिथौरा पुलिस के द्वारा क्षेत्र में फेसबुक व इस्टाग्राम में ऑनलाईन लाईव के माध्यम से तथा विभिन्न स्थानों में सायबर संबंधी जानकारी देकर जागरूकता अभियान चलाया गया। जिसमें पिथौरा व थाना बसना के दशहरा मेला में,तथा थाना सांकरा के हायर सेकेंडरी स्कुल ग्राउंड में, एवं चौकी भंवरपुर के इंदिरा नगर नाचा पार्टी में, थाना पटेवा के पटेवा ग्राम में, थाना पिथौरा के ग्राम लाखागढ व पिथौरा आम जनता जो

उक्त कार्यक्रम में शामिल रहें। दशहरा मैदान व मेला में,

दूर्गा पंडालों, गरवा मैदान, सांस्कृतिक कार्यक्रम व साप्ताहिक बाजारों, ग्रामों में भी आमजन को पोस्टर, बैनर, पेंपलेट वितरण द्वारा साइबर अपराध एवं उससे बचाव की जानकारी दी जा रही है। आम जनता को ऑनलाइन खरीदारी, क्रेडिटध्डेबिट कार्ड धोखाधडी, फर्जी कस्टमर केयर एवं टोल फ्री नम्बर सम्बन्धी फ्रॉड तथा सोशल मीडिया फेसबुक, इंस्टाग्राम, वाअप आदि से होने वाले सायबर फ्रॉड से बचने एवं संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें, मजबूत पासवर्ड बनाये, डेबिट/क्रेडिट कार्ड डिटेल किसी न दे, यूपीआई का उपयोग सावधानी पूर्वक करें, सोशल मीडिया फेसबुक, इस्टाग्राम एवं वाड्ढअप में किसी अंजान व्यक्ति से संपर्क न करें, इसके अलावा साइबर अपराध के प्रकार जैसे डिजिटल अरेस्ट (पुलिस अधिकारी या कस्टम अधिकारी या इसी तरह कोई अन्य अधिकारी होने का दावा करते हुए कोई कॉल करता है और आपकी किसी अपराध में संलिप्त बताता है तो उसकी बात में भरोसा ना करके सबसे पहले थाने में खबर करनी है), इन्वेस्टमेंट फ्रॉड (शेयर मार्केट में निवेश हेतु फर्जी वेबसाइट), क्रिप्टोकरंसी, लोन फ्रॉड, मॉर्फिंग (किसी अन्य के फोटो में किसी दूसरे व्यक्ति के होने का आभास होना), डिजिटल ब्लैकमेलिंग, फिशिंग (किसी लिंक पर क्लिक करने से उत्तर का लीक होना), हैकिंग (आपके अकाउंट को दूसरे द्वारा हैक कर लेना), आइडेंटिटी थेफ्ट (किसी अन्य के द्वारा कोई और व्यक्ति होने का ढोंग करना) आदि से संबंधित जानकारी देकर आम जनता को जागरूक किया गया। पुलिस सभी से अपील करती है कि सायबर फ्रॉड होने पर नजदीकी पुलिस थाना एवं आनलाईन सायबर फ्रॉड टोल फ्री नं. 1930 तथा 222.ष्ड्ड्ढह्न-ष्ह्ल्ढद्ग्ड्ड.द्दश1.द्बठ्ठ में जाकर शिकायत दर्ज करे। इसके अलावा ष्टश्वढ्ढक्रपोर्टल में मोबाइल गुम होने पर शिकायत कर ट्रैक कर सकते है तथा सायबरअपराध के प्रति जागरूक रहे, सचेत रहे।

छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन के संरक्षक टी एस सिंह कंवर के जन्मदिन के उपलक्ष्य में रक्तदान एवं फल बिस्किट वितरण

दुर्ग (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश रात्रे के कुशल मार्गदर्शन में दुर्ग जिला अध्यक्ष अभिषेक साहू के नेतृत्व में समाजसेवी एवं छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन के प्रदेश सरंक्षक टी एस सिंह कंवर के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में जिला अस्पताल में मरीजों को बिस्किट व फ्ल वितरण कर मरीजों का हाल चाल जाना साथ ही दुर्ग के युवा सदस्य खेमराज निषाद ने रक्तदान कर युवा पीढ़ी को रक्तदान महादान का संदेश देते हुए प्रोत्साहित किया बतादें छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन के दुर्ग जिला अध्यक्ष अभिषेक साहू ने विभिन्न अवसरों पर अपने कार्यकारणी पदाधिकारीयो व सदस्यों के साथ जरूरत मन्दो कि सहायता व विभिन्न प्रेणास्त्रोत कार्य करते आ रहे है इस अवसर पर राजेश बंजारे उतई,दिलीप कुर्रे पाटन, लक्ष्मन साहू बोरसी राहुल साहू और विशेष उपस्थिति रोहितास सिंह भुवाल दुर्ग का रहा ।

गढ़फुलझर में धूमधाम से मनाया गया दशहरा पर्व

बसना (समय दर्शन)। बसना के शरहद मे बसा ग्राम गढ़फुलझर प्राचीन भैना राजाओं का गढ माना जाता है।

जहाँ अभी भी प्राचीन किला व महल,रानी सागर, देवगुडी, के साथ अनेक अवशेष विद्यमान हैं ।

राजाओं से गढ़ विरान होने पश्चात यहाँ के मालगुजार सिक्ख परिवार कई दसकों से विजया दसमी पर्व को धेमधाम से मनाये आ रहे हैं । जहाँ क्षेत्र के सैकड़ों लोग परंपरानुसार राजा के अभाव मे अपने मालगुजार से मिलकर सुख दुख बांटते है।

यहां परंपरा के मुताबिक विजयादशमी के दिन रावण दहन किया जाता है। बुराई पर अच्छाई की जीत के पर्व दशहरा का इंतजार क्षेत्र लोग सालभर करते हैं।

फुलझर अँचल के ग्राम गढ़फुलझर इन सबसे अलग है। यहां दशहरे पर रावण दहन से ज्यादा जरूरी इस दिन गाँव के मालगुजार से मुलाकात कर सौजन्य मुलाकात का होता है । इसके लिए आस पास गाँव के लोग गढ़फुलझर पहुंचते हैं और मालगुजार से मुलाकात करते हैं। यहां दशहरे के दिन रावण दहन कर दशहरे का पर्व

मनाया जाता है। रियासत काल में फुलझर क्षेत्र के लोग दशहरे के दिन गढ़फुलझर राजा से मिलने जाया करते थे। इस वर्ष भी ग्राम गढ़फुलझर में दशहरा पर्व का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। उक्त कार्यक्रम में प्रतिवर्ष की भांति रावण दहन के लिय श्री राम, लक्ष्मण की झाँकी के साथ शोभायात्रा निकालकर गांव के मालगुजार सरदार महिपाल सिंह जटाल को सम्मान पूर्वक बैंड बाजा, कर्मा नृत्य, डी जे की संगीत व नृत्य गान करते बड़ी धूमधाम से ले जाकर, हमेशा की तरह मंच मे बिठाते हैं । मालगुजार महिपाल सिंह जटाल के हाथों, तलवार से प्रतिवर्ष की तरह केला वृक्ष काटा गया। इसके बाद श्री राम लक्ष्मण जी के द्वारा रावण का दहन किया गया। यह परम्परा गाँव के मालगुजार महिपाल सिंह के पिता स्व. गुरूवन्तसिंह जटाल एवं उनके स्व. दादा महासिंह जटाल के समय से पिछले साठ - सत्तर वर्षों से चलीं आ रही है।

उक्त कार्यक्रम में हजारों लोग शामिल हुये। कार्यक्रम को सफ्ल बनाने मे ग्राम प्रमुखों ,समाज प्रमुखों सहित ग्राम पंचायत के सदस्य एवं दुर्गा समिति के सभी सदस्यों का भरपूर सहयोग रहा।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2022-24